राज
कॉमिक्स विशेषांक

मूल्य 50.00 संख्या 2310

नागायण

दहन काण्ड

पंचम खण्ड

राज कॉमिक्स विशेषांक

दहन काण्ड
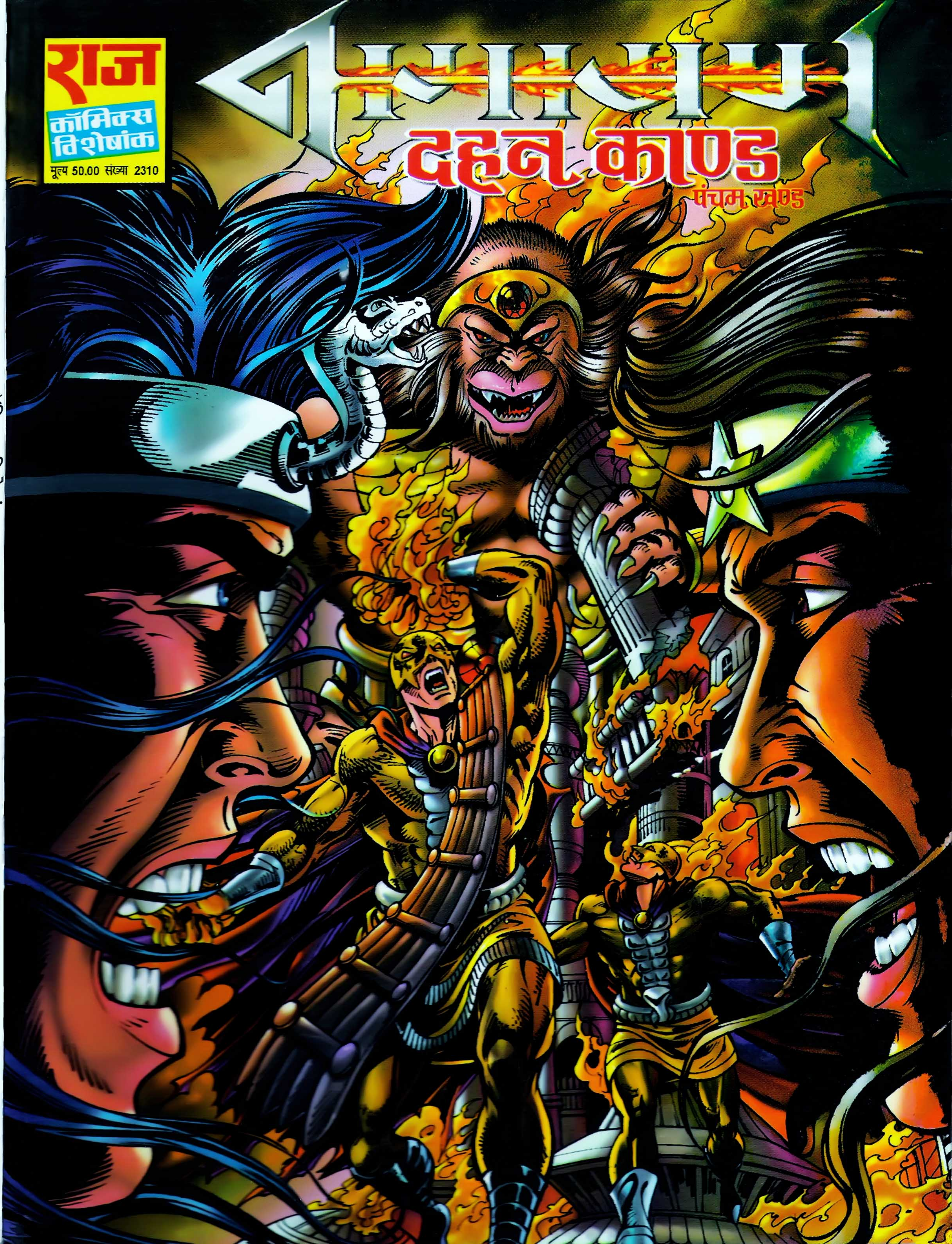
विश्वरक्षक नागराज के उपलब्ध कॉमिक

नागराज के 15/- मूल्य वाले कॉमिक

- नागराज
- नागराज की कब्र
- नागराज का बदला
- नागराज की हांगकांग यात्रा
- नागराज और शांगो
- खूनी खोज
- खूनी यात्रा
- नागराज का इंसाफ
- खूनी जंग
- प्रलयंकारी नागराज
- खूनी कबीला
- कोबरा घाटी
- बच्चों के दुश्मन
- प्रलयंकारी मणि
- शंकर शंहशाह
- नागराज का दुश्मन
- इच्छाधारी नागराज
- नागराज और कालदूत
- नागराज और जादूगर शाकूरा
- नागराज और बौना शैतान
- नागराज और ताजमहल की चोरी
- नागराज और लाल मौत
- नागराज और काबुकी का खजाना
- नागराज और थोडांगा
- नागराज और तूफान-जू
- नागराज और जादू का शहंशाह
- नागराज और अजगर का तूफान
- बकोरा का जादू
- पिरामिडों की रानी
- नागराज और मिस्टर 420
- थोडांगा की मौत
- नागराज और बेमबेम बिगेलो

नागराज के 20/- मूल्य वाले कॉमिक विशेषांक

- नागराज और नगीना का जाल
- नागराज और नगीना
- नागराज और मिस किलर
- नागराज और तूतेनतू
- नागराज और अदृश्य हत्यारा
- नागराज और कांजा
- नागराज और पापराज
- नागराज का अंत
- जहर
- क्राइमकिंग
- विषकन्या
- इच्छाधारी
- नागिन
- राज का राज
- मृत्युदंड
- आतंक
- नहीं बचेगा नागराज
- कालचक्र
- नागराज अमेरिका में
- आतंकवादी नागराज
- विषहीन नागराज
- इच्छाधारी चोर
- लावा
- विनाशलीला
- पागल नागराज
- मसीहा

नागराज के 30/- मूल्य वाले कॉमिक विशेषांक

- नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव
- नागराज और बुगाकू
- फिर आया नागदंत
- विजेता नागराज
- विसर्पी की शादी
- शाकूरा का चक्रव्यूह
- नागपाशा
- खजाना
- स्नेक पार्क
- केंचुली
- प्रलय
- रक्षक नागराज
- जहरीले
- बांबी
- सपेरा
- फन
- विष-अमृत
- सम्मोहन
- नागराज और ड्रैकुला
- नागद्वीप
- त्रिफना
- महायुद्ध
- अग्रज
- नागराज का कहर
- तांडव
- दुश्मन नागराज
- शक्तिहीन नागराज
- कुंडली
- ऐलान-ए-जंग
- काली मौत
- सो जा नागराज
- शेषनाग
- भानूमति का पिटारा
- हरी मौत
- जहरीला बारूद
- माम्बर
- न्यूमेरो ऊनो
- ऑप्रेशन सर्जरी

नागराज के 40/- मूल्य वाले कॉमिक विशेषांक

- राजनगर की तबाही
- कोहराम
- कयामत
- जलजला
- विध्वंस
- संग्राम
- परकाले
- संहार
- ड्रैकुला का अंत
- कोलाहल
- खलनायक
- सम्राट
- विनाश
- तानाशाह
- सूरमा
- कलियुग
- सौडांगी
- सर्वशक्तिमान
- चक्र
- मैडूयूसा
- छोटा नागराज
- शेषनाग
- नागाधीश
- वर्तमान
- फ्लेमिना
- फुंकार
- वरण काण्ड
- ग्रहण काण्ड
- हरण काण्ड
- शरण काण्ड

Now you can order all your favorite comics from our online book store
www.rajcomics.com

इसी सैट के कॉमिक

- ✣ दहन काण्ड (नागराज एवं ध्रुव का टू इन वन विशेषांक) (मूल्य : 50/-)
- ✪ अमर प्रेम (कोबी और भेड़िया का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- ✪ अंतकाल (मल्टी स्टार विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- ✪ रक्त कथा (थ्रिल हॉरर का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- ✪ केमिकल लोचा (सुपर इंडियन का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- ▲ कबाड़ का जुगाड़ (गमराज का विशेषांक) (मूल्य : 20/-)
- ▲ मृत्यु चाहि (बांकेलाल का विशेषांक) (मूल्य : 20/-)

प्रकाशकः राज कामिक्स (राजा पॉकेट बुक्स की एक इकाई)
330/1 बुराड़ी, दिल्ली-110084
फोन: 27611410 email:bizdev@rajcomics.com

आप 100/- रुपए मूल्य या इससे अधिक मूल्य की कॉमिकें डाक द्वारा अग्रिम भुगतान भेजकर मंगा सकते हैं। अग्रिम भुगतान निम्नलिखित दो तरीकों से भेजा जा सकता है।

1. निकटवर्ती पोस्ट ऑफिस से अपने आदेशित कॉमिकों के मूल्य का मनीआर्डर राजा पॉकेट बुक्स 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84 के नाम बनवाकर, मनीआर्डर फार्म के संदेश वाले स्थान पर आदेशित पुस्तकों के नाम व अपना पता साफ-साफ लिखकर भेजें।
2. किसी भी बैंक से राजा पॉकेट बुक्स के नाम **Payable at Delhi** का ड्राफ्ट बनवाकर पत्र के साथ भेजें, जिसमें आपकी आदेशित पुस्तकों के नाम व आपका पता साफ-साफ लिखा होना आवश्यक है।

आगामी सैट के कॉमिक

- ✪ मिशन क्रिटिकल (नागराज का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- ✚ फास्ट फॉरवर्ड (ध्रुव का विशेषांक) (मूल्य : 40/-)
- ✪ वफादार (डोगा का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- ✪ अब क्या होगा (परमाणु का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- ▲ अनमोल रत्न (बांकेलाल का विशेषांक) (मूल्य : 20/-)
- ✪ परी रक्षक भोकाल (भोकाल का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- ✪ लुक छुप जाना (थ्रिल हॉरर का विशेषांक) (मूल्य : 30/-)
- ▲ टर्मिनेटर (फाइटर टोड्स का विशेषांक) (मूल्य : 20/-)

दिल्ली में वितरक :**नागराज नावल्टीज**, 112, फर्स्ट फ्लोर, दरीबा कलां, दिल्ली-110006. फोन: 23251109, 23251092, 65172310, 32500860

नागायण
पंचम खण्ड
दहन काण्ड

वरण काण्ड, ग्रहण काण्ड, हरण काण्ड, शरण काण्ड संक्षेप में-

सन् 2025 पृथ्वीवासियों ने कर लिया है विज्ञान में बेइंतिहा विकास। पृथ्वी पर प्रल्या धूमकेतू के टकराने के बाद से अब पृथ्वी की ज्यादातर आबादी अंडरग्राउंड सिटीज़ में रह रही है। लेकिन वहां पर भी वे सुरक्षित नहीं हैं क्योंकि प्रल्या धूमकेतू की काली शक्तियों ने नागपाशा जैसे शैतानों को अपनी ताकतों से और भी ताकतवर बना दिया है। अब वह तीन रूपों; क्रूरपाशा, सुप्तपाशा व भीरुपाशा में बंटकर पृथ्वी के लिए और भी भयानक खतरा बन गया है। क्रूरपाशा अपनी गुप्त नगरी अलंध्या से पृथ्वी पर हमला कर चुका है। खतरे और भी हैं।

नगीना जिसने कदम-कदम पर पृथ्वी की सम्राज्ञी बनने के लिए क्रूरपाशा की मदद की। किंतु क्रूरपाशा से धोखा खाने के बाद अब वो अपना सपना पूरा करने के लिए भीरुपाशा को मोहरा बना रही है। तीसरा बड़ा खतरा है ग्रैंड मास्टर रोबो जो कि पृथ्वीवासियों के बीच रह कर ही विश्व सम्राट बनने के अपने सपने को साकार करने की क्रूर कोशिशों में जुटा हुआ है।

इन सबके खिलाफ पृथ्वी के रक्षक नागराज और सुपर कमाण्डो ध्रुव अपनी जान पर खेलकर भी मोर्चा संभाल रहे हैं। नागराज जिसकी भारती से शादी हो

चुकी थी किंतु क्रूरपाशा की काली शक्तियों पर विजय पाने के उद्देश्य से उसे नाग शक्तियों का साथ पाने के लिए जीतना पड़ा नागकुमारी विसर्पी का स्वयंवर। जिसके कारण नागराज बना विसर्पी का पति। इस दूसरे विवाह के कारण उसे मिला नगर निकाला। जहां क्रूरपाशा ने नाग शक्तियों पर विजय हासिल करने के लिए कर लिया नागकुमारी विसर्पी का हरण।

सुपर कमाण्डो ध्रुव अपनी बहन श्वेता की मृत्यु व अपनी पत्नी नताशा और अपने पुत्र ऋषि के सेपरेशन से दुखी होते हुए भी मानवता की रक्षा के लिए नागराज का सहयोग देने के लिए इस युद्ध में कूद पड़ा है।

अब अलंध्या की तरफ कूच कर चुके हैं; यतियों की सेना के साथ नागराज, मानवों की सेना के साथ सुपर कमाण्डो ध्रुव, नागशक्तियों की सेना के साथ विषांक। इस महायुद्ध में इनके और भी मददगार हैं। गुरु गोरखनाथ, भारती, स्वर्ण नगरी से धनन्जय तथा ब्लैक कैट व नताशा। किंतु क्या यह मुट्ठीभर योद्धा कर पाएंगे पृथ्वी की महानतम् चुनौती का सामना? समय कम है। क्या मानवता की यह आखिरी उम्मीद पृथ्वी को नष्ट होने से बचाने में कामयाब हो पाएगी? जानने के लिए पढ़ें

दहन काण्ड

जब जब पाप धरा पर आई। कथा जाई पुनि पुनि दोहराई।।

संजय गुप्ता की पेशकश
राज कॉमिक्स है मेरा जनून।
कथा :अनुपम सिन्हा, जॉली सिन्हा
चित्र :अनुपम सिन्हा
इंकिंग :विनोद कुमार
सुलेख :सुनील कुमार
इफ़ेक्ट्स :जॉन पोलॉस ,जगत
प्रथम अध्याय
नाग शक्ति

अलंध्या इस वक्त हर तरह की गतिविधियों का केन्द्र बनी हुई थी-
संसार की हर शक्ति वहां पर पहुंचने की कोशिश कर रही थी-
और कुछ शक्तियां वहां पर पहुंच भी चुकी थीं-
क्रूरपाशा से टक्कर लेने की जुर्रत मत कर, विषांक! चल, तेरी इस गलती को मैं अपने होने वाले साले की पहली गलती मानकर माफ कर देता हूं!
अब अपनी नागसेना को समेट और चुपचाप यहां से चला जा!
मूलक्षेत्र जाकर तैयारी कर!
और मेरी शादी का निमंत्रण मिलते ही शादी का उपहार लेकर आ जाना!
तू अभी विषांक की शक्तियों से परिचित नहीं है, क्रूरपाशा! वर्ना इतना बोलने से पहले ही तेरी जुबान कटकर गिर जाती!
और सुन! मैं तुझे नागसेना के दम पर चुनौती नहीं दे रहा हूं! नागसेना तो अभी अलंध्या के द्वार के बाहर ही खड़ी है!
मैं अपने कुछ विश्वासपात्रों के साथ ही अंदर आया हूं! पर इनमें भी वह दम है जो तेरी अलंध्या को मिट्टी में मिला दें!
ब्लैक पॉवर का काम दुनिया को मिट्टी में मिलाना है!
खुद मिट्टी में मिलना नहीं!
ऐसा है तो पहले विषांक तेरे इस घमंड को मिट्टी में मिलाएगा!
GB

और उसके बाद तुझको!
विषांक के उस वार ने क्रूरपाशा की क्रूरता को सोते से जगा दिया था-
आदिकाल से नागशक्ति की दुश्मन ब्लैक हॉक की शक्ति जाग्रत हो!
और काले गरुड़ की बेशुमार आकृतियां विषांक और उसके विश्वासपात्र नागों पर टूट पड़ीं-
अब तेरे नागों से पेट भरेंगे मेरे ब्लैक हॉक और तेरे खून से प्यास बुझाऊंगा क्रूरपाशा!
युवराज विषांक! ये गरुड़ शक्ति है! और वह भी अपने विनाशकारी श्याम रूप में!
इन पर न तो हमारा विष असर करेगा और न ही इच्छाधारी शक्ति!

ये मामूली सी शक्ति मेरा खून तो क्या पसीना तक नहीं निकाल पाएगी!
अरे! ये ब्लैक हॉक्स जमीन पर क्यों गिरते जा रहे हैं?
इस हवा का दबाव अब तू भी महसूस कर रहा है! कर रहा है न?
क्योंकि मैंने इस कक्ष की हवा को भारी बना दिया है! और इस भारी हवा में तेरे ब्लैक हॉक्स के पंख हिल भी नहीं सकते!
सिर्फ इच्छाधारी शक्ति ही किसी को इस वार से बचा सकती है! और वह तेरे पास है नहीं!
अब ऐसे ही झुकाए रख अपने सिर को मेरे कदमों में! वर्ना ये सिर तेरे धड़ पर नहीं रहेगा!
अब हमें रोकने की जुर्रत कोई नहीं करेगा! चलो दीदी! मैं यहां की गंदी हवा में और सांस लेना नहीं चाहता!
तुम जाओ विषांक!
मैं तुम्हारे साथ नहीं आ सकती!

ये... ये तुम क्या कह रही हो दीदी ?
पूरी नाग सेना इतनी दूर से मुसीबतें झेलकर तुमको लेने आई है! और तुम मना कर रही हो! पर क्यों ?
क्या तुम इस पापी क्रूरपाशा के चंगुल से मुक्त होना नहीं चाहती हो ?
मुक्त होना चाहती हूं मेरे भाई! और मैं तुम्हारे इस प्रयास की प्रशंसा भी करती हूं!
पर मुझे क्रूरपाशा की अलंध्या से मुक्त कराने का हक सिर्फ... नागराज का है!
नागराज का! उस नागराज का, जिसकी आंखों के सामने क्रूरपाशा तुमको हरकर ले आया और वह देखता रह गया!
विश्वास के कारण विषांक! नागराज ने उस रूप पर विश्वास किया जो क्रूरपाशा ने धरा हुआ था! और नागराज ही क्यों, धोखा तो मुझे भी हुआ था!
पर तुम्हारे हरण के वक्त नागराज वहां मौजूद था! तब भी उसने तुमको क्यों नहीं बचाया ?
तुमको गलत सूचना मिली है विषांक! अगर क्रूरपाशा ने नागराज के सामने मुझे हाथ लगाया होता...
... तो ये हाथ इसके बदन पर इस वक्त नजर नहीं आते!
यानी... मेरे अनुचर सर्पों ने अपनी असफलता को छुपाने के लिए मुझसे झूठ बोला!
पर... पर कुछ भी हो! सच तो यही है न कि नागराज तुम्हारी रक्षा नहीं कर सका!
वह रक्षा जो मैं करने आया हूं!
सच है!
और नागराज खुद भी यही जानता है कि उससे कहीं न कहीं गलती हुई है!
और तुम्हारे साथ यहां से जाकर मैं नागराज से उस गलती को सुधारने का मौका छीनना नहीं चाहती!
नागराज का इंतजार मत करो दीदी! वह अलंध्या तक सात जन्मों में भी पहुंच नहीं पाएगा!
तो फिर मैं सात जन्मों तक उसका इंतजार करूंगी!
यहीं पर!
ऐसा नहीं होगा दीदी! क्योंकि अगर तुम अलंध्या से जाने को तैयार नहीं हो!
तो फिर अलंध्या यहां पर नहीं रहेगी!

मैं अलंध्या का नामोनिशान तक इस धरती से मिटा दूंगा!

द्वितीय अध्याय
ब्लैक नागराज
हर जगह पर स्थिति, विस्फोटक स्तर पर पहुंच रही थी-
हा हा हा! देखी ब्लैक वुड की शक्ति! अब देखता जा! थोड़ी देर बाद मैं तेरे पैरों में जड़ें भी उगाऊंगा!
और उसके बाद सम्राट क्रूरपाशा की काली छत्रछाया में हम दोनों मिल-कर इस क्षेत्र पर राज करेंगे।
बोलो, जय-जय सम्राट क्रूरपाशा!
जय-जय सम्राट...
... क्रू... क... क...
अरे! तू अपने ही हाथ से अपना गला क्यों दबा रहा है?
क्योंकि जिस गले से क्रूरपाशा की जय-जयकार निकलेगी, उसको मैं दबा दूंगा!
फिर चाहे वह गला खुद मेरा ही क्यों न हो।
आह! यानी अभी तू पूरी तरह से ब्लैक पॉवर नहीं बना है!
फिर तो इस प्रक्रिया को और तेज करना पड़ेगा!

ब्लैक पॉवर का दुगुनी तीव्रता वाला रहस्यमय सीरम अब नागराज के शरीर में हर तरफ से घुस रहा था-
नागराज की बची खुची इच्छाशक्ति भी अब ब्लैक पॉवर में घुलने लगी थी-
नागराज अब पूर्ण रूप से ब्लैक पॉवर के अधीन होता जा रहा था-
एक के खत्म होने के बजाय यहाँ पर दो ब्लैक पॉवर्स हो गई हैं!
अब बोल! जय, जय सम्राट क्रूरपाशा!
जय... जय...
कभी नहीं!
आऽऽऽह! जितनी ब्लैक पॉवर मैंने तुझमें डाली है, उतने में तो पृथ्वी की आधी आबादी ब्लैक पॉवर बन जाती!
क्या खाता है तू?

लगता है तेरे शरीर में भरे हुए बेशुमार सर्पों की शक्ति तुमको ब्लैक पॉवर बनने से बचा रही है!
जब तक तेरे शरीर में मौजूद लाखों सर्पों में से हर एक सर्प ब्लैक पॉवर नहीं बन जाता तब तक तेरा प्रतिरोध जारी रहेगा!
इसीलिए अब मैं वह वार करूंगा जो कुछ ही पलों में तेरे शरीर के हर कोने में ब्लैक एनर्जी को फैला देगा और फिर तुझे ब्लैक पॉवर बनने से कोई भी रोक नहीं पाएगा!
आऽऽऽह!
इधर नागराज कराहा-
और उधर गोरखनाथ तड़प उठे -
क्या हुआ गुरुदेव ?
विनाश के लक्षण दिख रहे हैं! नागराज को क्रूरपाश की ब्लैक एनर्जी से उबरने में दो साल लग गए थे! और अब एक बार फिर नागराज पर उसी तरह का प्रहार हो रहा है!
नागराज को स्वस्थ करने के लिए मैंने जो श्वेत ऊर्जा उसके शरीर में डाली थी, अब वह भी ब्लैक ऊर्जा की भारी मात्रा का सामना करने में असमर्थ है!
अब क्या होगा, बाबा? अगर नागराज इस बार ब्लैक पॉवर बन गया तो...
तो फिर वह वापस सामान्य नागराज नहीं बन पाएगा! कभी नहीं बन पाएगा!
और मानवता का सबसे बड़ा रक्षक, मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाएगा!
क्या... क्या आप इस महा विपदा को रोकने के लिए कुछ भी नहीं कर सकते?
हम सिर्फ नागराज का मार्ग-दर्शन कर सकते हैं! मनोबल बढ़ा सकते हैं! उसके आगे जो कुछ करना है नागराज को ही करना है।

अगर मार्ग दर्शन से भी बात नहीं बनी तो, क्या होगा, बाबा ?
आप मार्ग दर्शन करिए! साथ ही मैं खुद वहां पर जाता हूं! नागराज चाहे ब्लैक पॉवर बन जाए, पर मुझे विश्वास है कि मेरा स्वर्णपाश ब्लैक पॉवर के असर को काट देगा!
नहीं! तुम नहीं धनंजय!
तुम्हारी कहीं और पर जरूरत पड़ने वाली है!
तो फिर हम और क्या कर सकते हैं?
द्रोण को बुलाओ!
नागराज को मार्गदर्शन की भी जरूरत थी और मदद की भी-
नागराज! संभालो अपने आपको! ब्लैक पॉवर के वार से बचो! मत भूलो कि तुम मानवता के रक्षक हो! इस दुनिया को ब्लैक पॉवर से बचाने की उम्मीद हो!
ध्यान लगाओ! ध्यान लगाओ! तुम्हारे अंदर ब्लैक पॉवर के विष को नष्ट करने की शक्ति मौजूद है! और वह है तुम्हारी इच्छा शक्ति!
उसको जगाओ!
जगाओ!
क्रूरपाशा की चालों से लड़ो! लड़ो!
हट बुड्ढे!

खबरदार! खबरदार जो सम्राट क्रूरपाशा के खिलाफ एक लफ्ज भी बोला!
अरे वाह! तू तो मेरा भाई बन गया! बन गया मेरा भाई!
पर... पर तू ये बातें किससे कर रहा है!
दुश्मनों से!
दुश्मनों से बात करनी है तो इधर मुंह घुमाकर बात करो!
ब्लैक पॉवर्स का विनाशक!
तू जानता है इसको मेरे भाई?
द्रोण!
जानता हूं! जा यहां से द्रोण! तेरी शिक्षा का कर्ज है, मुझ पर!
ये मौका देकर मैं वह कर्ज उतार रहा हूं!
कर्ज से पहले फर्ज का बोझ उतारना है!
और वह बोझ उतरेगा धरती से इस ब्लैक पॉवर का बोझ उतारकर!
डार्क वुड का!
नहीं! डार्क वुड को मारने से पहले...

तुमको नागराज को पार करना पड़ेगा।
और नागराज को पार करने की कोशिश करने का मतलब है ...
... मौत के घाट उतरना!
विषफुंकार की उस लहरी ने अपनी चपेट में आने वाले हर वृक्ष को कोयले में बदल दिया-
लेकिन द्रोण पर कालिख की पर्त तक नहीं चढ़ पाई-
मैं एक यांत्रिक जीव हूं, नागराज! और यंत्र को मौत का डर नहीं होता!
ऐसा है तो कसम है मुझे ब्लैक पॉवर्स की! आज दुनिया देखेगी कि एक रोबॉट; मौत के डर से कैसे थरथर कांपता है!
नागराज तो द्रोण से भी भिड़ गया है बाबा!
कहीं नागराज, द्रोण पर भारी न पड़ जाए!
द्रोण को भेजने के पीछे यही मकसद था धनंजय! नागशक्तियां यंत्रों पर बेअसर सिद्ध होंगी ...
... और दिव्यास्त्रों का ज्ञान द्रोण से ज्यादा किसी को भी नहीं है!
भरोसा रखो द्रोण, नागराज पर काबू पा लेगा!

तृतीय अध्याय
जेनरेशन नेक्स्ट
पाप और पुण्य की इस लड़ाई में पुण्य का पलड़ा हल्का और हल्का होता जा रहा था-
अंडरग्राउंड सिटी राजनगर!
हम आदेश के लिए तैयार हैं ग्रैंडमास्टर! हर यूनिट अपनी जगह पर तैनात है!
सिटी से गंदी हवा बाहर निकालने वाले सभी वैक्यूम पंप्स को चालू कर दो!
और हवा अंदर आने के लिए सभी रास्तों को सील कर दो!
ओ. के. ग्रैंडमास्टर!
ऑपरेशन राजनगर शुरू हो रहा है!
वैक्यूम पंप चलने शुरू हुए-
और राजनगर की सांसें थमने लगीं-
मम्मी... मुझसे... सांस नहीं ली जा... रही है!
हिम्मत रखो बेटे... हि... हिम्मत रखो!
राजनगर के मेरे दोस्तों...
रोबो!
तुम लोगों की सांसें रुकती देखकर मुझे बहुत अफसोस हो रहा है! पर ये सांसें तुमको वापस मिल सकती हैं! मैं दिलाऊंगा तुमको प्राणदायक हवा!
और उसके लिए तुमको कोई कठिन काम नहीं करना है!
सिर्फ अपना शासन तंत्र रोबो के हाथों में सौंप देना है!

फिर तुमको हर तरह की सुरक्षा मिलेगी! हवा की, पानी की, जान की और ब्लैक पॉवर्स से भी!
...और अगर तुम्हारा ऐसा करने का मन नहीं है तो इसका मतलब है कि तुम लोग मुझे अपना दोस्त नहीं मानते!
और जो मुझे दोस्त नहीं मानेंगे, मैं उनकी मदद नहीं करूंगा!
सोच लो! अच्छी तरह से सोच लो!
क्योंकि राजनगर से हवा को खत्म होने में कम से कम तीन घंटे लगेंगे!
अपना जवाब किसी भी टी. वी. चैनेल पर प्रसारित करा देना!
वर्ना तुम सबकी मौत की खबर तो अपने आप ही ब्रॉडकास्ट हो जाएगी!
सब गड़बड़ हो गई ऋषि! और वह भी एक छोटे से बच्चे जलज के कारण!
आई कांट बिलिव, मम्मी कि आप जलज से हार गईं! दिस इज नॉट हैपेनिंग!
मैं जानती हूं ऋषि! मैं जलज से जीत सकती थी! बट, आई डोंट नो व्हाय...
... मैं उस पर वार कर ही नहीं पा रही थी! और वो भी तुम्हारी वजह से!
मेरी वजह से?
यस! क्योंकि उसकी शक्ल में मुझे तुम्हारी झलक दिख रही थी!
खैर, जो हुआ सो हुआ!
अब हमको उस काम पर ध्यान देना होगा, जिसके लिए मैं यहां पर आई थी!
और वह भी तुम्हारे पापा से लड़कर! मैंने इस अभियान के लिए बहुत कुछ खोया है!
और इस मोड़ पर आकर मैं असफल होना नहीं चाहती!
मुझे रोबो को रोकना ही होगा!
और उसके लिए हमको सबसे पहले यहां से बाहर निकलना होगा!
पर हम यहां से निकलेंगे कैसे?

धधम्म
कोई दरवाजा खटखटा रहा है!
धम्म धम्म
इसको खटखटाना नहीं कहते, मम्मी!
धम्म
इसको दरवाजा तोड़ना कहते हैं!
पीछे हट जाओ, मम्मी!
आऽऽऽह!
ब्लैक कैट!
तू ठीक तो है न, ऋषि!
ह... हां! मैं ठीक हूं! पर आप कौन ?
फिर जल्दी चलो! बातचीत का समय नहीं है!
रोबो और उसके आदमी अभी अपने प्लान को अंजाम देने में व्यस्त हैं!
अगर उनको पता चल गया तो!
एक मिनट ब्लैक कैट!
ऋषि का तो हाल पूछ लिया, मेरा नहीं पूछोगी?

तुम्हारी चाल की वजह से ही तो तुम्हारा ये हाल हुआ है! मैं तुमको हमेशा से कहती आई हूं कि रोबो पर विश्वास करना मूर्खता है! ध्रुव भी यही कहता रहा!
मैं ये सब नहीं जानना चाहती! मैं ये जानना चाहती हूं कि मेरे कारण तुमने अपनी जान खतरे में क्यों डाली?
पर तुमने न तो ध्रुव की मानी, और न ही मेरी! और देखो, तुम्हारी जिद ने तुम्हारे साथ-साथ ऋषि की जान को भी खतरे में डाल दिया है!
तुम्हारे कारण नहीं, ऋषि के कारण!
अपनी गलतफहमी को दूर कर लो मैडम!
एक गलतफहमी और दूर कर दो!
ऋषि के पीछे तुम मरने को क्यों तैयार हो? कौन लगता है ऋषि तुम्हारा!
वही जो तुम्हारा लगता है!
बेटा!
ध्रुव की निशानी!
अब चलो! खतरा अभी टला नहीं है!
खतरा टलने के बजाय और बढ़ रहा था-
ओफ़! तुम दोनों आगे बढ़ो! मैं इनको रोकती हूं!
पर आप अकेले...
जाओ, ऋषि!
जाओ!
20

अब हम कहां जा रहे हैं मम्मी ?
पहले मैं तुमको किसी सुरक्षित स्थान पर पहुंचाऊंगी! और फिर उस काम के लिए वापस आऊंगी, जिस काम के लिए मैं यहां पर आई थी!
रोबो को दुनिया के शहरों पर कब्जा करके क्रूरपाशा से सौदेबाजी करने से रोकना!
और ये करने से मैं तुमको रोकूंगा!
जलज!
किसलिए?
थैंक्यू, नताशा जी!
आप दोनों की हड्डियां तोड़ने का मौका देने के लिए!
आऽऽऽह!
इस बार इसको मत छोड़ना मम्मी!
ऋषि! तुम यहां से जाओ!
तू अभी बच्चा है! रोबो के बहकावे में है! इसीलिए मैं तुझे जान से नहीं मारूंगी!...
...सिर्फ बेहोश करके छोड़ दूंगी!
मेरा भी यही विचार है!
आऽऽऽह! इसकी फुर्ती तो अविश्वसनीय है!
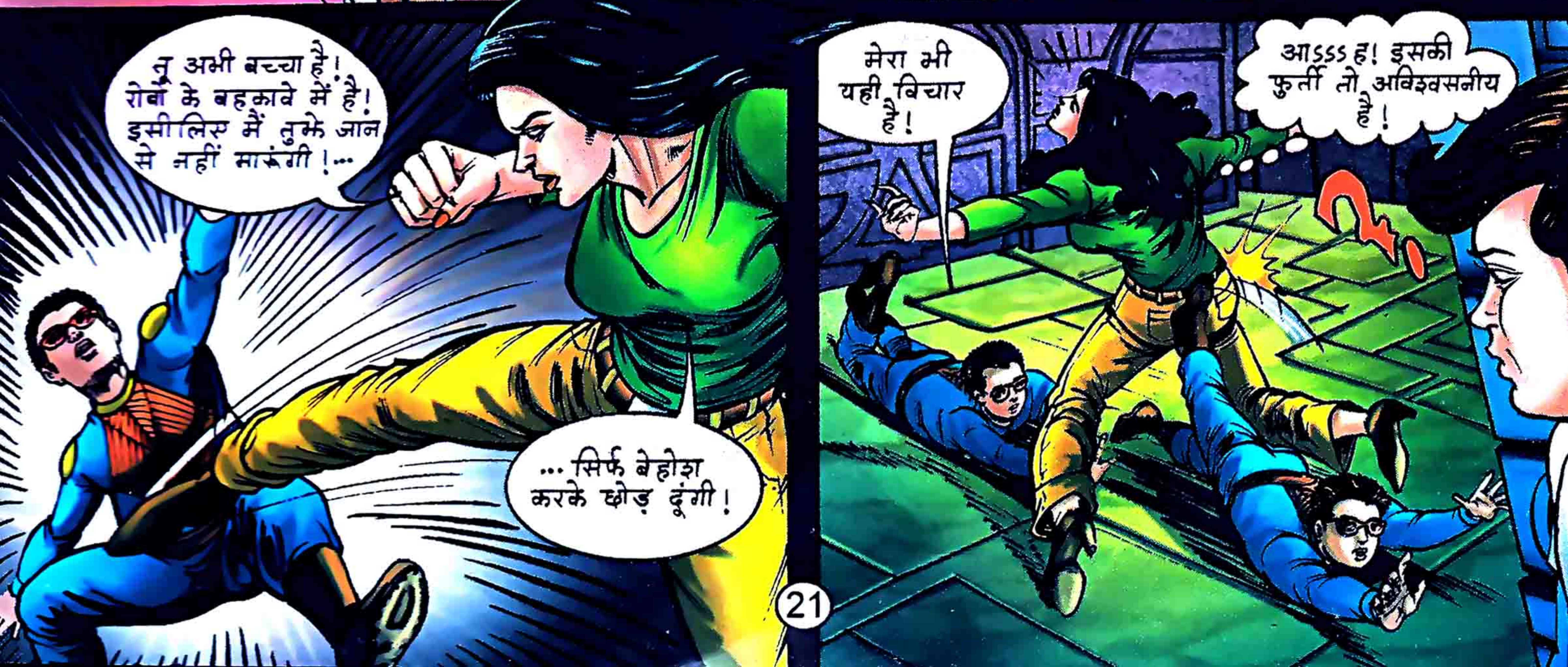
इस बार जलज का रूप कुछ और ही था-
और इस बार उसके वारों में हिंसा के साथ-साथ समझ-दारी भी थी-
आऽऽऽह! मेरा हाथ!
मुझे अंदाजा नहीं था कि इसको शरीर के उन प्वाइंट्स की भी जानकारी है जहां पर वार करने से शरीर के अंग सुन्न हो जाते हैं!
अब नताशा बेबस होती जा रही थी-
उसके अंग एक-एक करके सुन्न हो रहे थे-
और ऋषि ये मार्मिक दृश्य देखकर भी कुछ नहीं कर सकता था-
अब नताशा की जिन्दगी और मौत के बीच में जलज का वह आखिरी वार था-
मां का आदेश जो था-
पर यह वार अपना रास्ता तय नहीं कर पाया-
ओह! आंटी फिर एक बार हमारी जान बचाने के लिए आ गईं!
मुझे ये आंटी बहुत अच्छी लगती हैं!
पर ये हैं कौन?

यही सवाल जलज की ज़ुबान पर था-
आप कौन हैं ?
तुम जैसे बदतमीज बच्चों को सबक सिखाने वाली शिक्षिका ! योर न्यू टीचर फॉर सेटी केट्स !
अब अच्छे बच्चों की तरह नताशा आंटी से माफी मांगो और हमारा रास्ता छोड़ो !
मुझे आपको रोकने का आदेश नहीं दिया गया है ! आप जा सकती हैं ! पर अपना ख्याल रखिएगा !
क्योंकि आपके जाते ही मैं गॉर्ड्स को एलर्ट कर दूंगा और वे आपका रास्ता जरूर रोकेंगे !
तू बच्चा है या रोबॉट ? पर मैं गलत थी ! रोबॉट बच्चे ! तुझमें काफी एटीकेट्स हैं ! पर मैं तभी जाऊंगी ...
... जब मैं तेरा ढीला स्क्रू टाइट कर दूंगी ! वर्ना मेरे जाते ही तू हल्ला मचा देगा !
पहले आपने मुझ पर वार किया है !
अब आप मेरी दुश्मन बन गई हैं !
इसलिए अब मुझे आप पर भी वार करने का हक मिल गया है !
तुझमें तो ध्रुव जैसी लॉजिक पॉवर है, बच्चे !
कर ! जो भी वार करना है, कर ले !
ब्लैक कैट को हर वार से बचने की कला ...
... आती है !
आह !
कमाल है ! तूने मुझ पर सचमुच वार किया !
ध्रुव के बाद तू पहला ऐसा शख्स है, जिसने मुझको हाथ लगाने में सफलता पाई है !
पर ये सफलता तीर भी हो सकती है !
और तुक्का भी !
मैं तुक्का नहीं मारता, आंटी ब्लैक कैट !
आऽऽऽह !
तड़ाक

असंभव! ये तो ध्रुव की फाइटिंग स्टाइल है!
और इस फाइट में मेरे कुछ वेरिएशंस भी मौजूद हैं! कहीं कहीं पर मेरी स्टाइल भी मिक्स की हुई है!
अब मैं समझ गई!
इसको रोबो ने हमसे निपटने के लिए खासतौर से तैयार किया है! इसीलिए उसने इस जलज को मेरी और ध्रुव की फाइटिंग स्टाइल के एक-एक डिटेल सिखाए हैं!
मुझे किसी ने कुछ नहीं सिखाया!
तड़ाक
आऽऽऽइ! आऽऽऽआह!
ब्लैक कैट आंटी को ये क्या हो रहा है? जलज ने इतनी ज़ोर से तो वार नहीं किया था!
आऽऽऽह!
मेरे सिर में तेज दर्द हो रहा है!
आंखों के आगे अंधेरा छा रहा है! दिल की धड़कन... धीमी पड़ रही है!
ये शायद मेरे... मेरे अंत की शुरुआत है!
मेरी जानलेवा बीमारी एक बार फिर अपना सिर उठा रही है!
अपने आपको संभालो ब्लैक कैट! संभालो अपने आपको!
अगर नागराज का विष एक बार तुमको ठीक कर सकता है तो तुम दुबारा भी ठीक हो सकती हो!
बस अपने आपको संभाले रखो! मैं नागराज से संपर्क बनाने की कोशिश करती हूं!
शायद आसपास नागराज का कोई जासूस सर्प मौजूद हो और हमको नागराज का विष मिल जाए! अगर ऐसा हुआ तो तुम्हारी जान एक बार फिर बच सकती है!
ये बचेंगी तो तब जब मैं इनको इनका इलाज होने तक जिन्दा रहने दूंगा!
और उसके बाद तुम्हारी बारी आएगी, आंटी नताशा!

जलज के सामने अब दो असहाय शिकार थे-
और उनको बचाने वाला कोई भी नहीं था-
या था-
आऽऽऽह!
अब कौन आ गया?
मेरी मां की जान तक पहुंचने से पहले तुमको उनकी जान से टकराना पड़ेगा!
तू क्या बोला कुछ समझ तो नहीं आया!
पर जो कुछ भी तूने किया अच्छा किया! अब मुझे तेरी हड्डियां तोड़ने का एक कारण मिल गया है!
ओ. के.! अगर मेरी किस्मत में पिटना लिखा है तो मैं जरूर पिटूंगा!
लेकिन अगर तुम्हारी किस्मत में गिरना लिखा है!
तो तुम गिरोगे जरूर!
ज्यादा चोट तो नहीं लगी?
ऋषि, उससे मत उलझो!
वैसे, भाई, लड़ाइयां हाथ पैरों से नहीं, दिमाग से जीती जाती है!
भाग जाओ! वर्ना तुम्हारी जान ले लेगा!

भागना पड़ेगा तो भागूंगा भी मम्मी!
लेकिन अगर भागूंगा भी...
... तो जीतने के लिए!
आऽऽऽह!
ये तूने कहां से सीखा?
पापा से!
वैसे उन्होंने सिखाया नहीं था, मैंने छुपकर उनको इस फंदे की प्रैक्टिस करते देखा था!
पर अब मैं जो करने जा रहा हूं, वह मैंने पापा से नहीं...
... मम्मी से सीखा है!
आऽऽऽह!
अब कुछ मुझसे भी सीख ले!
पापा ने तुझे फंदा बनाना सिखाया है!
मैं तुझे फंदा खोलना सिखाता हूं!
कमाल है! दोनों एक से बढ़कर एक हैं! ऐसा लग रहा है जैसे ध्रुव ही ध्रुव से लड़ रहा हो!
व्हाट?
ये तुमने क्या कह दिया?
ऐसा मैंने क्या कह दिया?
रुको! रोक दो ये लड़ाई! रोक दो!
ऋषि, जलज! रुक जाओ!

ब्लैक कैट की आवाज में हक साफ झलक रहा था-
और हक की इस ताकत को ऋषि के साथ-साथ जलज ने भी महसूस कर लिया था-
इधर आओ!
ये... ये तुम क्या कर रही हो? तुमने बेल्ट से ये कैसा गैजेट निकाला है!
नताशा भी अब संभल रही थी-
लेकिन एक और बड़ा झटका लगना तो अभी बाकी था-
ये ब्लड-एनालाइजर है!
अपनी बीमारी के कारण मुझे इसको हमेशा अपने पास रखना पड़ता है!
लेकिन इसमें एक अतिरिक्त फंक्शन भी है!
ये ब्लड एनालाइजर के साथ-साथ डी. एन. ए. टेस्टर भी है!
डी. एन. ए.! किसका डी. एन. ए. चेक करना है तुमको?
अभी पता चल जाएगा नताशा! एक रहस्य तुम्हारे सामने खुलना बाकी है और एक रहस्य शायद मेरे सामने भी खुलना बाकी है!
और उसको खोलेगा ये डी. एन. ए. एनालाइजर!
मुझे ऋषि और जलज के डी. एन. ए. को कंपेयर करना है!
मुझे बहुत डर लग रहा है, ब्लैक कैट!
कहीं ऐसी कोई बात मत कह देना, जिसको सुनकर मेरी धड़कन रुक जाए!
धड़कनें बढ़ने की बात करो नताशा, रुकने की नहीं!
दोनों के डी. एन. ए. एनालाइज हो चुके हैं!
अब मैचिंग हो रही है!
MATCH

इ... इसका क्या मतलब है, रिचा? ये... ये कैसे हो सकता है! ऋषि और जलज का डी. एन. ए. मैच कैसे हो सकता है?
ओ माई गॉड! ओ माई गॉड! ओ माई गॉड!
तुम... तुम जरूर कोई साजिश रच रही हो! तुम्हारी मशीन भी तुम्हारी तरह ही झूठी है! ऋषि को छीनना चाहती हो तुम मुझसे! और वह भी झूठ का सहारा लेकर!
झूठ पर तो तुम अभी भी जी रही हो, नताशा! सच सुनोगी तो या तो मर जाओगी...
... या मार दोगी!
मार दूंगी? पर किसको?
और ये किस सच की बात कर रही हो तुम?
वो सच जो शायद तुमको अपने बाप के मुंह से सुनना चाहिए!
कसम खाई थी मैंने ये सच कभी जबान पर न लाने की!
पर आज कसम नहीं तोड़ी तो रिश्ते टूट जाएंगे!
दिल कड़ा कर लो नताशा! सच्चाई ये है कि...
... ऋषि तुम्हारा बेटा नहीं, मेरा बेटा है!
बकवास कर रही है तू! अगर ऋषि तेरा बेटा है तो इसका बाप कौन है?
ध्रुव! ऋषि ध्रुव और मेरा बेटा है!
ओफ़! तो ये है वह सच! तुझसे तो यही उम्मीद थी! पर ध्रुव से मुझे ऐसी बेवफाई की आशा नहीं थी!
ये वाला सच तो एक मजबूरी के कारण पैदा हुआ था!
इसमें न ध्रुव की गलती थी, और न ही मेरी! सच-झूठ का फैसला तुम तभी कर पाओगी जब तुम पूरी बात सुनोगी!
मैं ध्रुव से प्यार करती थी! और मैंने इस बात को कभी नहीं छुपाया! पर ध्रुव मुझे सिर्फ एक दोस्त समझता था!
और उसने भी ये बात कभी नहीं छुपाई!
मैं जानती थी कि मेरा प्यार इकतरफा था! ध्रुव सिर्फ तुमको चाहता था!
मैं जिन्दगी काटने की हर वजह को खो चुकी थी और मैंने वे दवाइयां भी लेनी बंद कर दी थीं जो अब तक मेरी जान को बचाए हुए थीं! मैं धीरे-धीरे आत्महत्या कर रही थी!
ये वही समय था जब तुम ध्रुव से शादी करना चाहती थीं और रोबो इसके खिलाफ था!
और तुमने रोबो के खिलाफ जाने का फैसला कर लिया था!

मैं मौत की कगार पर खड़ी थी, और ध्रुव शादी के द्वार पर! पर ध्रुव ये कभी नहीं चाहता था कि उसकी शादी उसके दोस्त की मौत का कारण बने!
ऋषि इस तरह से पैदा हुआ!
हम दोनों में लंबी बातचीत हुई! और ध्रुव ने मुझे जिन्दगी जीने का एक कारण दे दिया!
एक टेस्ट ट्यूब बेबी जिसका पिता ध्रुव था!
हां! ध्रुव से मेरा संबंध कभी नहीं रहा! पर मैं ध्रुव के बच्चे की मां भी बन गई!
मुझमें जिन्दगी जीने की एक तीव्र इच्छा जाग उठी!
और बच्चे को जन्म देने की चाहत ने मेरी बीमारी को दूर भगा दिया!
ध्रुव भी अब चैन से शादी कर सकता था!
तुमने रोबो की नाराजगी मोल लेकर शादी की! और रोबो ने इस बात के लिए तुमको कभी माफ नहीं किया!
ये झूठ है!
सब जानते हैं कि पापा ये जानते थे कि मैं मां बनने वाली हूं उन्होंने खुद घर आकर मेरी गोद भरी थी!
वो एक नाटक था! और मैंने भी इस बात को आज ही समझा है!
तुम झूठ पर झूठ बोलती जा रही हो!
अगर ऋषि तुम्हारा बच्चा है तो ये मेरे पास कैसे आया? है कोई जवाब?
है! जवाब नहीं, सच है मेरे पास!
मैं जानती हूं! पर तुम ये नहीं जानती कि जिस समय ध्रुव भाग-दौड़ में व्यस्त था उस वक्त पापा ने पूरे समय मेरे साथ रहकर मेरा ख्याल रखा!
किस्मत की बात है कि हम दोनों को एक ही समय पर बच्चे पैदा होने वाले थे और हम दोनों एक ही अस्पताल में भर्ती थे!
रोबो तुम्हारा नहीं, किसी और चीज का ख्याल रख रहा था!
असली सच्चाई तो तुमको मैं अब बताने जा रही हूं!
तुम जब मां बनी थी तो सिर्फ रोबो तुम्हारे पास था! ध्रुव और श्वेता को उसने किसी बहाने से भेज दिया था!
और ध्रुव जब वापस आया तो उसने रोबो से वह खबर सुनी जिसने ध्रुव जैसे सूरमा को भी घुटनों पर बैठा दिया!
रोबो के अनुसार तुम्हारे मरा हुआ बच्चा पैदा हुआ था!
ये झूठ है!
ये सच है!
ध्रुव समझ गया था कि जब ये खबर सुनकर उसकी ऐसी हालत हुई है तो तुम तो ये खबर सुनकर मर ही जाओगी! उसको समझ में नहीं आ रहा था कि वह क्या करे!
इधर तुम्हारी जिन्दगी दांव पर लगी हुई थी, और उधर मैं मां बन चुकी थी! ऋषि की मां!

ये खबर मैं सबसे पहले ध्रुव को देना चाहती थी!
पर उसके चेहरे पर गमी देखकर मेरे होश भी उड़ गए!
मृत बच्चे की खबर सुनकर तुम जी नहीं सकती थीं! और तुम्हारे बगैर ध्रुव जी नहीं सकता था!
दोस्ती का कर्ज चुकाने का समय आ गया था!
मैंने श्रुति को ध्रुव के हवाले कर दिया और ध्रुव ने उसको तुम्हारी गोद में डाल दिया!
तुम्हारा बच्चा बनाकर!
इतना बड़ा बलिदान! और वह भी मेरी खातिर!
उसकी खातिर जिसके कारण तुम्हारा प्यार तुम्हारा न हो सका!
यू... यू आर वेरी ग्रेट रिचा!
तुमको मैंने हमेशा गलत समझा! धमकियां दीं! और तुमने... तुमने...
कूल इट नताशा! अभी... अभी इन बातों का समय नहीं है!
पर इन बातों से जलज की गुत्थी कैसे सुलझती है?
तुम अभी भी सच को नहीं समझी, नताशा?
तुम्हें मरा हुआ बच्चा नहीं पैदा हुआ था! वह बच्चा किसी और का होगा, जिसको रोबो ने अपनी ताकत के बल पर हासिल किया होगा!
तुम्हारी कोख से जलज पैदा हुआ था! और रोबो ने उसको उठाकर तुम्हारी बगल में मरे हुए बच्चे को लिटा दिया था!
जलज को अपने पास रखकर वह उससे वह काम कराना चाहता था, जिसको वह ध्रुव से कराने के सपने देखता था!
वह जलज को अपना नौकर बनाना चाहता था!
पापा भला मुझे तकलीफ देकर ऐसा क्यों करना चाहेंगे?
क्योंकि रोबो हमेशा से तुम्हारी और ध्रुव की शादी के खिलाफ था!
ध्रुव जैसे अपराध विनाशक से तुम्हारी इतनी नजदीकी उसको नागवार गुजर रही थी!
ध्रुव उसके लिए हमेशा से एक खतरा था! वह तुम दोनों को अलग करना चाहता था!
और बच्चा पैदा हो जाने के बाद ऐसा करना असंभव हो जाता!
ये पापा ने ठीक नहीं किया! इस बार उन्होंने एक मां को बच्चे से जुदा किया है!

अब समय आ गया है कि एक बाप अपनी बेटी से हमेशा के लिए जुदा हो जाए!
मां!
आप...मेरी मां हैं? मेरी...मम्मी हैं!
आप... मेरी मां नहीं हैं, मम्मी?
मेरे बच्चों!
मैं तुम दोनों की मां हूं! और ये हक मुझसे कोई नहीं छीन सकता!
तुम्हारी मां भी नहीं!
तुम दोनों तो मेरे लव और कुश हो!
अब क्या करना है नताशा!
अब मैं बेहतर महसूस कर रही हूं!
अब मुझे अपने पिता से नहीं, बल्कि रोबो से कुछ सवालों के जवाब चाहिए!
और मैं उनको हासिल करके रहूंगी!
ये आवाजें कैसी हैं?
वेलकम!
आ गई!
रोबो के सिपाहियों की हैं! शायद खुश हो रहे हैं!
जैसे कि उनको कोई बिछड़ा दोस्त मिल गया हो!
पर ऐसा कौन है जो इतना पापुलर है!

ममी!
अब ये ममी कौन है?
रोबो का सबसे खतरनाक हथियार! इसकी तुलना तुम न्यूक्लियर बम से कर सकती हो!
पर आज ये न्यूक्लियर बम फटेगा! और इसको फोड़ूंगी मैं!
इसके लिए काफी नफरत है तुम्हारे दिल में! पर क्यों?
क्योंकि ये श्वेता की कातिल है! जब तक मुझे इस सच्चाई का पता चलता, ये जेल पहुंच चुकी थी!
मैं इसी दिन का इंतजार कर रही थी कि कब ये कानून के चंगुल से निकले और मेरी दी गई सजा भुगते!
आज ममी के मरने का दिन आ गया है!

चतुर्थ अध्याय
मेरा पुत्र विषांक
दूसरी तरफ नागराज अब ब्लैक पॉवर्स के लिए लड़ रहा था -
और उसका सामना कर रहे द्रोण के लिए इस युद्ध को जीतना अति आवश्यक था-
क्योंकि इस युद्ध पर मानवता का अस्तित्व निर्भर कर रहा था-
और इस युद्ध को मानवों के लिए एक रोबॉट लड़ रहा था -
बायो रोबॉट द्रोण -
मुझ पर तुम्हारी नागशक्तियां और अस्त्र विद्या बेकार सिद्ध होंगी नागराज! समर्पण कर दो और मुझे तुम्हारा इलाज करने का मौका दो!
वैसे भी तुम जिस ब्लैक पॉवर को बचाने के लिए लड़ रहे हो, उसका अंत तो निश्चित है ही! क्योंकि मुझे ऐसी शक्तियों के विनाश के लिए ही बनाया गया है!
इसीलिए तो मैं समर्पण नहीं कर सकता, द्रोण! क्योंकि मैं तुमको डार्कवुड की जान किसी भी कीमत पर लेने नहीं दे सकता!
फिर मैं ये काम तुमको बेबस करने के बाद ही करूंगा!
आऽऽऽह!
तू मुझ पर भारी पड़ सकता है! इसीलिए अब मुझे इस लड़ाई को जल्दी खत्म करना होगा!
और उसके लिए मैं 'मृत्यूर्जा' का वार करूंगा!

ये तुम क्या कर रहे हो नागराज? क्या तुम जानते नहीं कि ये आयुध ऐसी तरंगें छोड़ सकता है जो किसी भी जीवित वस्तु को धीरे-धीरे तड़पा-तड़पाकर मारती है!
जानता हूं! मुझे तुमने ही ये सब सिखाया है, द्रोण!
पर तुम वह नहीं जानते जो मेरी सर्प इंद्रियों ने इस आयुध के पहले प्रयोग के समय ही जान लिया था!
ये मृत तरंगें वास्तव में हाई पॉवर मैग्नेटिक गामा रेज हैं! और ये तरंगें सिर्फ जीवित में ही नहीं बल्कि किसी रोबॉट के सर्किटों में भी खराबी पैदा कर सकती हैं!
अब देखना सिर्फ ये है कि पहले कौन गिरेगा! नागराज या द्रोण! जो खड़ा रहेगा, वही जीवित रहेगा!
आऽऽऽह!
मृत तरंगें अपने लक्ष्यों पर लगातार बरस रही थीं-
ईऽऽऽऽऽ
रोक दो नागराज! वर्ना तुम जीवित नहीं बचोगे! और हम ये नहीं चाहते!
ईऽऽऽ! बचने के रास्ते मत ढूंढ, द्रोण!
जीतो या मरो!
आऽऽऽ
नागराज!
मैं कहता था न कि तुम जीत नहीं सकते!
आखिरकार मैं ही जीता!

...न!
आऽऽऽह!
दोनों मर गए क्या?
लगता तो यही है जैसे नागराज ने आत्म-हत्या कर ली है!
आजा मेरे भाई! लग जा गले!
बचा लिया तूने मुझे! वह भी अपनी जान पर खेलकर!
जानता है क्यों मेरे भाई?
क्योंकि मुझे तुझको अपने हाथों से मारना है!
तेरी ब्लैक पॉवर को अपने अंदर खींचना है!
मुझे पता था कि अगर मैं एक पल के लिए भी ध्यान लगा पाऊं तो मैं अपने अंदर मौजूद उस श्वेत ऊर्जा को जाग्रत कर सकता हूं जिसमें ब्लैक पॉवर को सोखने की शक्ति है!
पर तेरे लगातार वार मुझे इतना समय भी नहीं दे रहे थे!

इसीलिए मुझे मजबूर होकर खुद ब्लैक पॉवर बनना पड़ा ताकि मुझे संभलने का समय मिले!
यानी... यानी तुम्हारा ब्लैक पॉवर बनने के बाद भी अपने ऊपर नियंत्रण रहा?
पूरा! और अब मुझे तेरे ऊपर भी पूरा नियंत्रण जल्दी ही मिलने वाला है!
तेरी ब्लैक ऊर्जा मुझमें पूरी तरह से समाने ही वाली है!
कुछ समझ में नहीं आ रहा है! पहले तो मैंने नागराज को गलत समझा!
और अब नागराज इस डार्कवुड की गर्दन धड़ से अलग करने के बजाय इसको ठीक करने के लिए ब्लैक पॉवर तक बनने को तैयार हो गया! पर क्यों?
क्यों कर रहा है नागराज ऐसा?
नागराज का मकसद तो कुछ और था-
लेकिन अंजाने में वह कुछ ऐसा कर बैठा था जिसके परिणाम बहुत दूरगामी होने वाले थे-
और अलंघ्या तक पहुंचने वाले थे-
रुक जा विषांक! मैं तुमको अलंघ्या नष्ट नहीं करने दूंगी!
ऐसा करके तू सिर्फ नागराज के ही नहीं, हम सबके मकसद को नष्ट कर देगा! पूरी मानवता के प्रयासों पर पानी फिर जाएगा!
मेरी समझ में तुम्हारी एक भी बात नहीं आ रही है! अलंघ्या नष्ट करने से भला मानवता का नुकसान कैसे हो सकता है! इसमें तो मानवता का फायदा ही फायदा है!
फायदा किसी का भी हो, बच्चे!

पर नुकसान तो तेरा ही होगा! अब तक तो मैं तुझको होने वाली जोरू का भाई समझ कर माफ कर रहा था!
पर अब वह जोरू ही तुझे डाँट रही है तो फिर मेरा तो तुझे पीटने का हक बनता है!
आऽऽऽ ह!
तूने अपनी मौत को निमंत्रण दिया है, क्रूरपाशा!
अब ये बताना मेरे लिए मुश्किल है कि...
... पहले तू खत्म होगा या फिर अलंध्या!
कोई भी नहीं! क्योंकि हमसे पहले...
... तू खत्म हो जाएगा! अभी तूने ब्लैक पॉवर का तमाशा देखना शुरू ही किया है!
अब देख कि इस तमाशे का...
...अंत क्या होता है!
रोशनियाँ! ब्लैक पॉवर प्रकाश का इस्तेमाल कब से करने लगीं?
ये प्रकाश नहीं होगा तो काली परछाईयाँ कैसे बनेंगी?
तेरी खुद की परछाईयाँ! जिनमें वही शक्ति है जो तुझमें है!
पर तू एक है...

ब्लैक पॉवर का एक महाशक्तिशाली और घातक वार था 'शैडो कोकून-'-
ब्लैक ऊर्जा का प्रवाह इस वार में आम वारों से कई गुना अधिक था-
और ये अनेक!
शैडो कोकून के वार से बचकर दिखा तो क्रूरपाशा ऐसे ही हार मान लेगा!
और इस वार से विषांक जैसे महाशक्तिशाली का बच पाना भी असंभव था-
परछाइयों का खोल उसको ढकता जा रहा था-
और अलंघ्या के गुप्त गर्भ गृह में मौजूद सुप्रीम ब्लैक पॉवर में बेचैनी पनपने लगी थी-
ये क्या हो रहा है? अभी तक लगातार बढ़ रही मेरी काली शक्ति अचानक पतन की ओर क्यों जा रही है?
मुझे बेचैनी और कमजोरी महसूस हो रही है!
इसका कारण मुझको जानना ही होगा!
जानना ही होगा!
जानना ही...
अरे!
नागराज! नागराज कारण है इसका!
वह डार्क वुड की ब्लैक पॉवर को सोख रहा है!
और चूंकि वह ब्लैक पॉवर मैंने उसे दी है, इस कारण से वह मुझसे जुड़ा हुआ है!
और उसके साथ-साथ मेरी शक्तियां भी खिंच रही हैं!
38

मुझे इस जोड़ को तोड़ना होगा! और यह तभी हो सकता है जब मैं ब्लैक एनर्जी का बहाव रोक दूं! और उसके लिए मुझे ब्लैक एनर्जी का प्रयोग रोकना होगा! एकदम ठप्प करना होगा!
क्रूरपाशा!
क्रूरपाशा!
कालछिद्र! कालछिद्र मुझे क्यों पुकार रहे हैं?
ब्लैक एनर्जी का हर प्रकार का प्रयोग रोक दो, क्रूरपाशा! तुरन्त!
वर्ना हम नष्ट हो जाएंगे!
परन्तु इसके बगैर तो विषांक को वश में करना असंभव...
रोक दो! तुरन्त! वर्ना ये काम मुझे करना पड़ेगा!
जो आज्ञा कालछिद्र!
ब्लैक कोकून सिमट जाओ!
परछाईयां विषांक के शरीर से अलग होने लगीं-
और विषांक ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया-
तेरा ब्लैक कोकून तूने क्यों मिटाया, क्रूरपाशा, ये मुझे नहीं पता...
लेकिन जब मैं तुझे मिटाऊंगा तो तुझे जरूर पता लगेगा...
क्योंकि मैं तुझे तड़पा-तड़पाकर मारूंगा!
ये क्या हो रहा है? ऐसे तो क्रूरपाशा मिट जाएगा। और विषांक को कोई शक्ति नहीं रोक सकेगी!

विषांक को पैदा करके मैंने जिन्दगी की सबसे बड़ी गलती की है!
जिसको मैंने ब्रह्मांड पर राज करने का साधन बनाया था आज वह उस सपने के विनाश का कारण बन रहा है!
इस शिशु को मैंने एक कृत्रिम गर्भाशय में नागपाशा की कोशिका और नागद्वीप के मृत राजा मणिराज की भस्म को मिलाकर बनाया था!
ये आधा मणिराज का पुत्र था! और आधा नागपाशा का! मणिराज का पुत्र होने के नाते यह बनता नागद्वीप के सिंहासन का उत्तराधिकारी और इसका पिता होने के कारण नागपाशा बनता नागद्वीप का शासक और फिर नागद्वीप का खजाना नागपाशा का हो जाना था!
यूं पैदा हुआ था विषांक! अगर उस वक्त वेदाचार्य अपनी तिलिस्मी ऊर्जा से इसके शरीर में मौजूद नागपाशा की कोशिकाओं को निष्क्रिय नहीं कर देता तो हमारा सपना कई दशकों पहले पूरा हो गया होता!
ऐसा करने का एक ही तरीका है! मुझे बरसों से संभाल कर रखे और यांत्रिक वायरसों से भरे इस जैविक बम को फोड़ना ही होगा! जिसमें कोशिकाओं को बदलने या पुनर्जीवित करने का प्रोग्राम कोड भरा हुआ है!
इसको मैंने संभालकर इसलिए रखा था ताकि सही समय आने पर मैं नागपाशा के शरीर में अपनी कोशिकाएं स्थानांतरित कर दूं!
एक मिनट... एक मिनट! अगर वेदाचार्य विषांक में मौजूद नागपाशा यानी क्रूरपाशा की कोशिकाओं को निष्क्रिय कर सकता है तो मैं उन्हें सक्रिय कर सकता हूं!
और एक बार अगर वे कोशिकाएं सक्रिय हो गईं तो विषांक फिर से क्रूरपाशा का जैविक पुत्र बन जाएगा और फिर पुत्र को पिता का साथ देना ही होगा!
और अमर होने के साथ-साथ ब्रह्मांड का शासक बन जाऊं!
पर अब अगर देर की तो मैं ये सपना देखने का सपना भी नहीं देख पाऊंगा!

बस! रुक जा यहीं पर गुरुदेव! मैं जानती थी कि अपने चेले की पिटता देखकर तू विषांक पर कोई घातक वार जरूर करेगा!
न... नहीं! मुझे कुछ मत करना! ले लो! ले लो ये बम!
तू उसे इस अजीब बम से मारना चाहता है, पर मैं ऐसा नहीं होने दूंगी!
ला! मुझे दे ये बम!
वर्ना अपने चेले से पहले तू ऊपर जाएगा!
क्या हुआ दीदी? क्या ये दुष्ट कोई चाल चल रहा था?
हां, विषांक! ये तुमको इस बम से मारना चाहता था!
मूर्ख कहीं का!
शायद ये जानता नहीं कि विषांक विस्फोटक के तीव्र वारों को भी आसानी से झेल सकता है!
मैं अभी इसे नष्ट कर देता हूं! लाओ!
एक मिनट! बम नष्ट करना है तो पूरा बम नष्ट करो!
इसकी पिन तो मेरे पास ही रह गई है!
हे भगवान! यानी... यानी ये बम पहले से ही सक्रिय है! और इसको अपने भाई के पास मैं खुद लेकर आई हूं! यानी मैं बनूंगी...
...विषांक के विनाश का कारण!

आऽऽऽऽह!
विषांक!
विषांक!
आदेश दें पिताश्री!
पिताश्री! मैं? पिताश्री?
विषांक!
इसके अंदर मौजूद तुम्हारी कोशिकाएं फिर जाग्रत हो गई हैं, क्रूरपाशा!
अब ये तुम्हारी संतान है!
तुम्हारा पुत्र!
आदेश दें पिताश्री! पूरी नाग जाति आपकी सेवा में उपस्थित है!
नागराज ये नहीं जानता था कि उसको ये कीमत चुकानी पड़ेगी–

इस लड़ाई को जीतने के लिए-
आर्र्र्र्र्घ!
आररर...
...हहह!
श्वेत शक्तियों की दुनिया में तुम्हारा स्वागत है...
वनपुत्र!
आऽऽऽह! धन्यवाद नागराज!
ओह! ये वनपुत्र है! नागराज इसे पहचान गया था! इसीलिए ये इसकी जान बचाने के लिए मुझसे लड़ गया था!
पर... तुमने ये कैसे जाना कि डार्कवुड असल में वनपुत्र है!
ये पहला ऐसा ब्लैक पॉवर था जो ये जानता था कि मेरे शरीर में लाखों सर्प हैं और मेरी शक्ति उनकी सम्मिलित शक्ति है! यानी ये कोई ऐसा प्राणी था जो शायद मुझसे पहले भी मिल चुका है! फिर इसकी वृक्षों की शक्ति और इसके यहां पर पहली बार दिखने का समय, इन तथ्यों को जोड़कर मैंने अनुमान लगा लिया था कि ये वनपुत्र हो सकता है!
और मुझे खुशी है कि मेरा अनुमान गलत नहीं निकला!
ये जीत ब्लैक पॉवर के मुंह पर एक और तमाचा है!
क्योंकि अब हमारी शक्ति और बढ़ गई है! और ब्लैक पावर्स की शक्ति कम हुई है!
उधर धूल उड़ रही है! जैसे हजारों लोगों की भीड़ एक साथ चल रही हो!
अब इस तरफ कौन आ रहा है!
ध्यान रहे जवानों!
हमारी जिन्दगियों की कीमत नागराज की मौत है!
पर कमांडर! ऐसी जिन्दगी से तो मौत भली...

सही कहा जवान! नागराज हम सबकी जान है! परन्तु हमारे सुपीरियर्स ने जो निर्णय लिया है वह मानवता को एक निश्चित महाविनाश से बचाने के लिए लिया है!
और हम सैनिक हैं! हमारा काम सवाल करना नहीं, बल्कि आदेश पर अमल करना है!
और अगर मानवता की रक्षा की कीमत नागराज की जान है तो वह कीमत हमें चुकानी पड़ सकती है!
नागराज की कीमत तो लग चुकी थी-
नागराज हमको हर कीमत पर चाहिए!
और वह भी मुर्दा!
पर इस कीमत को वसूल कर पाना आसान काम नहीं था-
ये तो मानवों की विश्व सेना है! और वह इधर ही आ रही है!
यहां पर तो हमारे अलावा और कोई नहीं रहता! जरूर मानवों को हमारी भनक लग गई है! और वे हमसे टकराने के लिए ही आ रहे हैं!
यानी मानवों ने अपने काल को स्वयं ही चुन लिया है! वे क्रूरपाशा की बजाय हमारे हाथों से मरना चाहते हैं!
आने दो उनको!
और महसूस करने दो कि यति शक्ति क्या होती है!
नहीं! तुम्हारी शक्तियां मैं जान चुका हूं! पर मानव सेना भी कम शक्तिशाली नहीं है!
तुम लोग कंदराओं के अंदर जाओ! मैं उनको रोककर उनसे बात करने और सच्चाई जानने की कोशिश करता हूं!
वर्ना जो खून खराबा होगा उसकी तो कल्पना भी नहीं की जा सकती है!
तुम हमारे रक्षक हो नागराज! इसीलिए हम तुम्हारी बात मानने को विवश हैं! वर्ना इन कंदराओं के अंदर हम नहीं, बल्कि मानवों की लाशें आ रही होतीं!
यति तो गए...
...अब देखना है कि मानव सेना इधर क्यों...
अह!

आऽऽऽऽह!
ये... ये तुमको एकाएक क्या हो रहा है नागराज?
सब ठीक हो रहा है न, पिताश्री?
आपके आदेश का मैं पूरी तरह से पालन कर पा रहा हूँ!
" और अपनी मौत को नागराज नहीं टाल सकता! शाबाश बेटे!"
आदेश का पालन तो तब होगा, जब नागराज की जान निकल जाएगी!
ऐसा ही होगा! क्योंकि नाग मेरा आदेश नहीं टाल सकते और मैं आपका आदेश नहीं टाल सकता!
तुम्हारी नसें फट रही हैं! पर उनमें से खून के बजाए जमी बर्फ निकल रही है!
कैसे?
फच्च
फच्च
यानी... अब तो नागराज के दिल की धमनियां भी जम चुकी होंगी। जल्दी ही कोई उपाय सोचो! वर्ना नागराज जिन्दा नहीं बचेगा!
चाहे इसके लिए विषांक मुझे जो भी सजा दे!
हम भी तुम्हारे साथ हैं शीतनाग!
आऽऽऽह!
नहीं!
मैं ये नहीं कर सकता!
मैं नागराज की जान नहीं ले सकता!
विषांक! विषांक ने तुमको मुझे मारने का आदेश दिया था!

पर क्यों? क्या विसर्पी के हरण के कारण वह इतना नाराज हो गया है?
हफ!
नहीं! युवराज विषांक ने आदेश में स्पष्ट कहा था कि सम्राट क्रूरपाशा की इच्छा के अनुसार मैं नागराज के शरीर में रहने वाले अपने अधीन इच्छाधारी नागों को नागराज को मृत्युदंड देने का आदेश देता हूं!
अब अगर हम तुम्हारे शरीर में रहे तो हमको आदेश का पालन करना पड़ेगा।
इसीलिए हम तुम्हारा शरीर छोड़कर जा रहे हैं!
ओफ! ये कमजोरी...
ये कमजोरी तब तक रहेगी, जब तक तुम्हारी रगों में जमी बर्फ पिघल नहीं जाती!
तब तक तुमको आराम करना...
नागराज! मैं विश्व सेना का कमांडर जनरल फ्लेयर बोल रहा हूं! हमको तुम्हारी तलाश है!
स्वयं बाहर आ जाओ वर्ना तुम्हारी तलाश में हमको इस बेशकीमती हरियाली को तबाह करना पड़ेगा।
नागराज! इनको नागराज की तलाश है! जब नागजाति भी क्रूरपाशा की तरफ हो चुकी है!
तब मुझे मानवों पर भी भरोसा नहीं करना चाहिए! नागराज तक पहुंचने से पहले उनको मुझे पार करना पड़ेगा!
मैं भी साथ चलता हूं!
वहीं रुक जाओ! वर्ना नष्ट कर दिए जाओगे!
कौन हो तुम?
रास्ते मे हट जाओ, वर्ना नष्ट कर दिए जाओगे!
हमको नागराज की तलाश है। तुम्हारी नहीं!
नागराज के बारे में तुम्हारे इरादे ठीक नहीं लगते!
इसीलिए वापस लौट जाओ! वर्ना वहां वापस लौट जाओगे जहां तुम पैदा होने से पहले थे!
फायर!
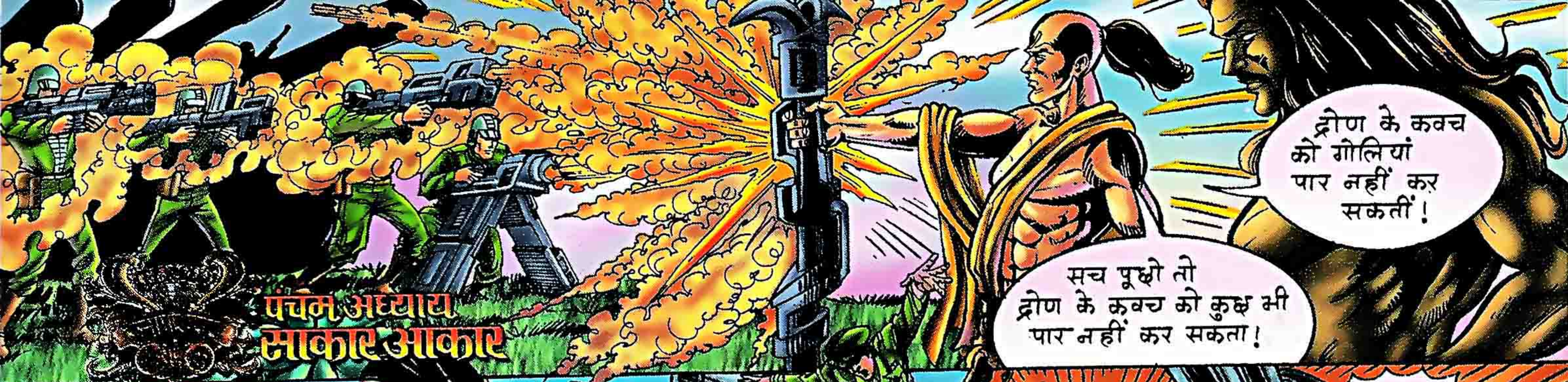
पंचम अध्याय
साकार आकार
द्रोण के कवच की गोलियां पार नहीं कर सकतीं!
सच पूछो तो द्रोण के कवच को कुछ भी पार नहीं कर सकता!
और द्रोण के वार को कोई भी कवच रोक नहीं सकता!
आऽऽऽह!
ये तो कोई अद्भुत शक्ति वाला लगता है!
ये टैंक तो मिसाइल के वार तक को झेल सकता है!
मेरा मतलब था...
सर! मैंने इसकी बायो पॉवर चेक करने के लिए इसका बायो स्कैन किया था! इसका बायो स्कैन तो जीरो है! शून्य!
स्कैनर खराब है?
नो सर! टैंक टूटने के बाद आपके बायो स्कैन की पॉवर नौ परसेंट आ रही है!
डमी स्कैनर पर!
यानी ये जो कुछ भी है जीवित प्राणी नहीं है!
ये एक रोबॉट है! और रोबॉट को खत्म करने का लेटेस्ट तरीका हमारे पास है!
द्रोण पर तुम्हारे सभी तरीके विफल होंगे! अब मैंने अपनी मेमोरी को ऐसे कवच में ढक लिया है!
जिसको मेगनेटिक फील्ड भी पार नहीं कर सकती!
मेरा हथियार कुछ और ही है रोबॉट! ऐसा, जिसके बारे में तुमने कभी सुना तो क्या सोचा तक नहीं होगा!
डाटा स्प्रेयर ऑन करो!
डाटा स्प्रेयर!
ये क्या है?
ये अनवांटेड डाटा की विशालकाय फाइलों की तरंगें छोड़ता है! और एक कंप्यूटराइज्ड रोबो होने के कारण तुमको न चाहते हुए भी इन फाइलों को एक्सेप्ट करना ही पड़ेगा!
और जैसे-जैसे ये डाटा तुम्हारी मेमोरी में भरेगा, उस पर जोर पड़ेगा और आखिरकार तुम्हारा सिस्टम अवरुद्ध होकर बंद हो जाएगा!
ऐसे!
इस नए हथियार का नाम भी अपने सिस्टम में फीड कर लेना!
चलो! ढूंढो नागराज को!
आगे बढ़ो!

आगे कैसे बढ़ें सर? हम तो हवा में लटक गए हैं!
हमारे पैरों के नीचे के पौधे अचानक पेड़ बन रहे हैं!
इस अभियान पर आने से पहले मैंने नागराज और ध्रुव के हर ऐसे मददगार की लिस्ट बनाई थी जो हमारे अभियान में रोड़ा अटका सकते थे!
और उनकी शक्तियोंका अध्ययन करकेउनकीकाट भी तैयार कर ली थी!
ये वनपुत्र है! और इसकी वनस्पतियों पर अद्भुत शक्ति की काट भी मैं तैयार करके लाया हूं!
हमारे हर टैंक के नीचे 'श्रेडर' लगे हैं! उनको ऑन करो!
श्रेडर स्टार्ट हुए-
और पेड़, बुरादे में तब्दील होने लगे-
इससे पहले कि वनपुत्र कोई नई-योजना बना पाता-
वह लड़ाई से बाहर हो चुका था-
अब नागराज और विश्व सेना के बीच में कोई भी नहीं था-
ये रहा नागराज!
हम माफी चाहते हैं नागराज! पर आदेशों के अनुसार हमें तुमको मारने का हुक्म मिला है!
वनपुत्र के रहते नागराज तुमको मिलना तो दूर दिखेगा तक नहीं!
नागराज की जान लेने की हिम्मत वही करे...
...जिसमें अपनी जान देने की हिम्मत हो।

अधिकृत मानव सेना थम गई थी-
पर अनाधिकृत मानव सेना का बढ़ना जारी था-
हम सही दिशा में बढ़ रहे हैं न, ध्रुव ?
कह नहीं सकता मेजर ! ये मेरा सिर्फ अनुमान है ! अब हमको कोई ऐसा संकेत जरूर चाहिए जो ये बता सके कि हम विसर्पी की तरफ बढ़ रहे हैं या नहीं !
नागराज !
नागराज !
क्या हुआ ध्रुव ?
ऐसा लग रहा है जैसे मेरे सिर के अंदर कोई बोल रहा हो !
उधर ! उस तरफ से ये आवाज आ रही है !
नागराज !
शिकांगी !
नागराज !
शिकांगी तुम्हारे जैसे महाशक्तिशाली की ये दशा किसने की ?
किसमें इतनी शक्ति है जो तुम्हारी अद्भुत शक्तियों को भी मात दे सके ?
ध्रुव !
क्रूरपाशा ! वो ले गया... विसर्पी को ! मैंने रोकने... की कोशिश की...
... पर... पर... हार गया मैं ! ले गया वह दुष्ट विसर्पी को !
अलंध्या में...
अलंध्या ?

अलंध्या में ले गया है वह दुष्ट विसर्पी को!... अह! अलंध्या क्रूरपाशा का गढ़ है! और दुनिया में फैल रहे पाप और पापी ब्लैक शक्तियों का केन्द्र भी!
अलंध्या है कहां पर? कैसे? पहुंचा जा सकता है अलंध्या?
अलंध्या दूसरे आयाम में है! और वह पूरी पृथ्वी पर फैला हुआ है! उस काले आयाम में सिर्फ वही एक द्वीप है!
पर उस रास्ते को देख सकने की नजरें सिर्फ सर्पों के पास हैं! और उनकी इच्छाधारी शक्ति उनको उस काले आयाम तक का सफर तय कर सकने की शक्ति भी देती है!
अलंध्या... हर जगह है और कहीं नहीं है!
इसका क्या मतलब हुआ?
और वहां पर जाने का रास्ता पृथ्वी के चप्पे-चप्पे पर मौजूद है!
कोई और... इस आयाम से उस आयाम में... नहीं पहुंच सकता!
ये कैसे पता चल सकता है कि हमारे आसपास अलंध्या का रास्ता कहां है?
हर रास्ते के द्वार पर एक न एक काली शक्ति मौजूद होती है!... जहां एक भी... ब्लैक पॉवर होगी... वहां पर द्वार भी होगा!
अब मैं जा रहा हूं! जब तक मुझे परास्त करने वाली शक्ति खुद परास्त नहीं हो जाती...
...तब तक शिकांगी शक्ति को अपने लोक में ही रखना होगा!
इस कारण से बाबा गोरखनाथ की शक्तियां भी कमजोर पड़ जाएंगी! पर... पर मैं मजबूर हूं! विदा!
शिकांगी!
बाबा ही तो हमारा नेतृत्व कर रहे हैं! अगर वे ही कमजोर पड़ गए तो हम कैसे जीतेंगे ये संग्राम?
ध्रुव! इससे भी बड़ी एक मुसीबत... नहीं... कई मुसीबतें हमारे सामने हैं!
ओह!
सेटेलाइट स्कैन के अनुसार हर बड़ी सिटी के ऊपर एक न्यूक्लियर शिप हवा में लहरा रही है! यह जरूर ब्लैक पॉवर्स का काम है!

पर... ऐसा करके वे चाहते क्या हैं?
इसके लिए तो इंटरनेट पर 'क्लासिफाइड डेटा' को सर्च करना पड़ेगा!
मिल गया! ओ माई गॉड!
...कि नागराज को खत्म कर दो!
समझ गया! क्रूरपाशा ने शासनाध्यक्षों को ब्लैकमेल किया है! उनको ऐसा आदेश देने पर विवश किया है!
पर हम ऐसा नहीं होने देंगे! हम रिटायर्ड हैं तो क्या हुआ, हैं तो हम सैनिक न!
हम उनको मुंहतोड़ जवाब देंगे! पर नागराज पर आंच भी नहीं आने देंगे!
हम उसी तरफ कूच करेंगे! अभी!
क्या हुआ?
क्या पता चला?
विश्व सेना की 'सुप्रीम वन' यूनिट को आदेश दिया गया है...
तो क्या है समाधान?
नहीं! वे भी अपनी खुशी से ऐसा नहीं कर रहे हैं! और ये समस्या का समाधान नहीं है!
हमें उन शिप्स को हटाना होगा, जो मौत की तलवार बनकर निर्दोषों के सिर पर लटक रही है!
और इसके लिए हमको अलंध्या में प्रवेश करके उनके कंट्रोल सिस्टम को ध्वस्त करना होगा!
अब तो अलंध्या पहुंचना और भी जरूरी हो गया है!
पर ऐसा होगा कैसे? अभी तो हम अलंध्या का रास्ता तक नहीं ढूंढ पाए हैं!
अब पहले किसी ब्लैक पॉवर को ढूंढना पड़ेगा! फिर...
एक मिनट!
ब्लैक बिल्डर! वह भी तो एक ब्लैक पॉवर था! और वह बहुत समय से तुम्हारे नगर के पास रह रहा था!... कहीं वह वास्तव में अलंध्या के द्वार की रक्षा तो नहीं कर रहा था!
हो सकता है! उसके वहां पर मौजूद होने का और कोई कारण समझ में नहीं आ रहा है!
तो फिर हम वापस जाएंगे!
और अंडर ग्राउंड सिटी 36A के आसपास द्वार की तलाश करेंगे!
मानव सेना तेजी से वापसी का रास्ता तय कर रही थी-
पर उनकी हर हरकत पर निगाहें गड़ी हुई थीं-
अभी नहीं बच्चे! अभी नहीं!

युद्ध का स्तर धीरे- धीरे ओर पकड़ रहा था-
ओ माई गॉड! ये... ये क्या चीज है?
मैंने तो नागराज और ध्रुव के सभी मददगारों की स्टडी कर ली थी! लेकिन पहले द्रोण रोबॉट और अब ये!
इनके बारे में तो मैंने कभी सुना ही नहीं! ये है कौन?
तुमने ही नहीं दुनिया में किसी ने भी आज तक मेरे बारे में नहीं सुना है!
तुम ऐसे पहले प्राणी बनोगे जिसको साकार- आकार के सामने सिर झुकाने का सौभाग्य प्राप्त होगा!
अब ये तुम पर है कि सिर धड़ से जुड़ा रहकर ही झुकेगा या कटकर झुकेगा!
तुम्हारे जैसे दो सुपर पॉवर वालों को हमने अभी दो मिनट पहले ही धूल चटाई है!
हम दुश्मनों के सिर्फ सिर ही नहीं झुकाते, उनको पूरा का पूरा झुका देते हैं!
इसको मिसाइल डिसइंटिगिरेटर से उड़ा दो!
अपनी हसरतें पूरी कर लो! पर याद रखना...
फायर एट विल!

तुम्हारे बाद हसरतें पूरी करने की बारी...
... मेरी है!
ओ गॉड! ओ गॉड!
तुम सब बनोगे मेरा आहार!
क्योंकि बहुत भूखी है साकार-आकार!
खा ही जाती! अगर वे ऐसा मजबूरी वश न कर रहे होते!
पर वे गए कहां?
डकाऽऽऽऽर!
सब... सबको खा लिया तुमने!
यहां से दस बारह हजार साल दूर! घबराओ मत! मैं बाद में उनको बुला भी लूंगी!
हम कहां हैं सर?
शायद अमेजन के जंगलों में!

पर तुम हो कौन, साकार आकार?
वही आवाज़! जिसे सुनकर मेरा दिल तक सिहर उठता है!
और हमारी मदद करने के लिए अचानक कहां से आई हो?
नागराज!
तुम... तुम ठीक तो हो न!
तुम... तुम मुझे जानती हो? पर कैसे? क्या हम पहले कभी मिले हैं?
हां, हां! मैं...
न... नहीं नागराज! कोशिश तो मैंने बहुत की, पर मैं तुमसे कभी मिल नहीं पाई!
...पर बिछड़ जरूर गई!
ये मैं क्या करने जा रही थी?
नागराज पर अपना रहस्य खोलने जा रही थी! अच्छा हुआ कि नागराज ने मुझको पहचाना नहीं!
वर्ना वह अपने आपको एक बार फिर धर्म-संकट में घिरने से बचा नहीं पाता!
और मेरा भी अलंघ्या विजय तक उसके साथ बने रहने का मकसद खटाई में पड़ जाता!
किस सोच में पड़ गई साकार आकार?
मुझको तुम बस इस धर्म युद्ध में अपना सहयोगी समझो! ऐसा सहयोगी जो अपनी जान जाने तक तुम पर आंच भी नहीं आने देगा!
इस प्रस्ताव के लिए धन्यवाद! पर ऐसा करने के पीछे तुम्हारा क्या मकसद है?
प्रायश्चित!
अब आगे और कुछ ना पूछना!
बस इतना जान लो कि मेरी शक्तियां ब्लैक पॉवर्स पर उतनी असरदार शायद न हों!
लेकिन फिर भी तुम जो कुछ अपने सपने में सोच सकते हो, वह मैं साकार रूप में कर सकती हूं!
मुझे अपने आप पर काबू पाना ही होगा! और उसके लिए मुझे पहले अपने दिल पर नियंत्रण करना होगा!
किसी भी सोच को साकार करना और उसको आकार देना ही साकार-आकार का काम है!
ठीक है! ब्लैक पॉवर्स के खिलाफ इस युद्ध में तुम्हारा स्वागत है साकार-आकार! हाथ मिलाओ!
माफ करना नागराज! पर मैं तुमको छू नहीं सकती!
ऐसा करना मेरे लिए वर्जित है!
क्योंकि साकार-आकार की शक्ति का स्पर्श किसी भी जीवित वस्तु को तिलिस्म में बदल देगा!
पर ये बात मैं नागराज को नहीं बता सकती! तिलिस्म का नाम सुनते ही ये समझ जाएगा कि मैं कौन हूं!

नागायण
षष्ठम अध्याय
छल
मुझे इस साकार-आकार पर भरोसा नहीं है! साफ-साफ बता ही नहीं रही है कि ये कहां से आई है और इसका मकसद क्या है!
बात-बात में सोचने भी लगती है! सच बोलने के लिए सोचने की जरूरत नहीं पड़ती।
ठीक कहा वनपुत्र! हो सकता है कि ये ब्लैक पॉवर्स की नई चाल हो!
नागराज तो सब पर विश्वास कर लेता है! पर हमको इस पर कड़ी नजर रखनी पड़ेगी!
अभी तो ये भी देखना है कि ये सुरक्षा बनने के अलावा और क्या-क्या कर सकती है!
साकार आकार की शक्तियों का एहसास सभी को जल्दी ही होने वाला था-
पी
पी
नागराज! ब्रह्मांड रक्षकों की फ्रीक्वेंसी पर मैसेज आ रहा है!
पर... पर तुम ये सब कैसे जानती हो?
ओफ़! दिल को संभाला तो जबान फिसलने लगी!
तुम्हारे बारे में मैं सबकुछ जानने के बाद ही मदद के लिए आई हूं नागराज!
अब ये सोचना छोड़ो और देखो कि मैसेज किसका है!
ह... हां हां!
ध्रुव! ध्रुव का मैसेज है!
तुम कहां पर हो ध्रुव? क्या विसर्पी का कुछ पता चला?
मैं तुमसे ज्यादा दूर नहीं हूं नागराज! और मुझे जो पता चला है वह जानना तुम्हारे लिए भी जरूरी है!
ध्रुव नागराज को शिकांगी से मुलाकात की दास्तान सुनाता चला गया था-
और नागराज के दिमाग में नई योजनाएं जन्म लेने लगीं-
अगर ब्लैक पॉवर्स की मौजूदगी अलंध्या तक पहुंचने के आयाम द्वार की पहचान है तो ऐसा आयाम द्वार यहां पर भी जरूर होगा!
क्योंकि यहां पर मेरी भी एक ब्लैक पॉवर से मुठभेड़ हुई है! जो वास्तव में वनपुत्र था!
वनपुत्र! वनपुत्र जीवित है! शुक्र है भगवान का! ठीक है नागराज! अभी मैं यहां पर अलंध्या का द्वार ढूंढने की कोशिश करता हूं और तुम वहां पर द्वार को ढूंढो! जिसको पहले द्वार मिल गया वह अपने दल-बल के साथ दूसरे को पास बुला लेगा! ताकि अलंध्या पर पूरी शक्ति के साथ चढ़ाई की जा सके!

ठीक है! आज से और इसी समय से मैं अलंध्या के साथ युद्ध का ऐलान करता हूं! अभियान शुरू करो!
तुमने कह तो दिया नागराज! पर अलंध्या का आयाम द्वार ढूंढना भूसे के ढेर में सुई ढूंढने जैसा है!
है तो! लेकिन अगर सुई है तो मिलेगी जरूर!
और वह सुई ढूंढने में हम तुम्हारी सहायता कर सकते हैं!
ये कौन हैं?
रानी यति! और इनके साथ हैं हमारे मददगार यतियों की सेना!
ये हमारी क्या मदद कर सकती हैं?
आयाम का द्वार ढूंढना है तो आओ मेरे साथ!
मैं तुमको दिखाती हूं उस आयाम का द्वार।
बड़ा अजीबो-गरीब सा रास्ता है ये!
घबराओ मत। बस मेरे पीछे-पीछे चले आओ!
ये लो!
आ गए हम!
पर... आगे तो रास्ता बंद है!
आगे का रास्ता सिर्फ तुम्हारे लिए है नागराज! और हां, तुम्हारे साथियों के लिए भी है!
मौत का रास्ता!
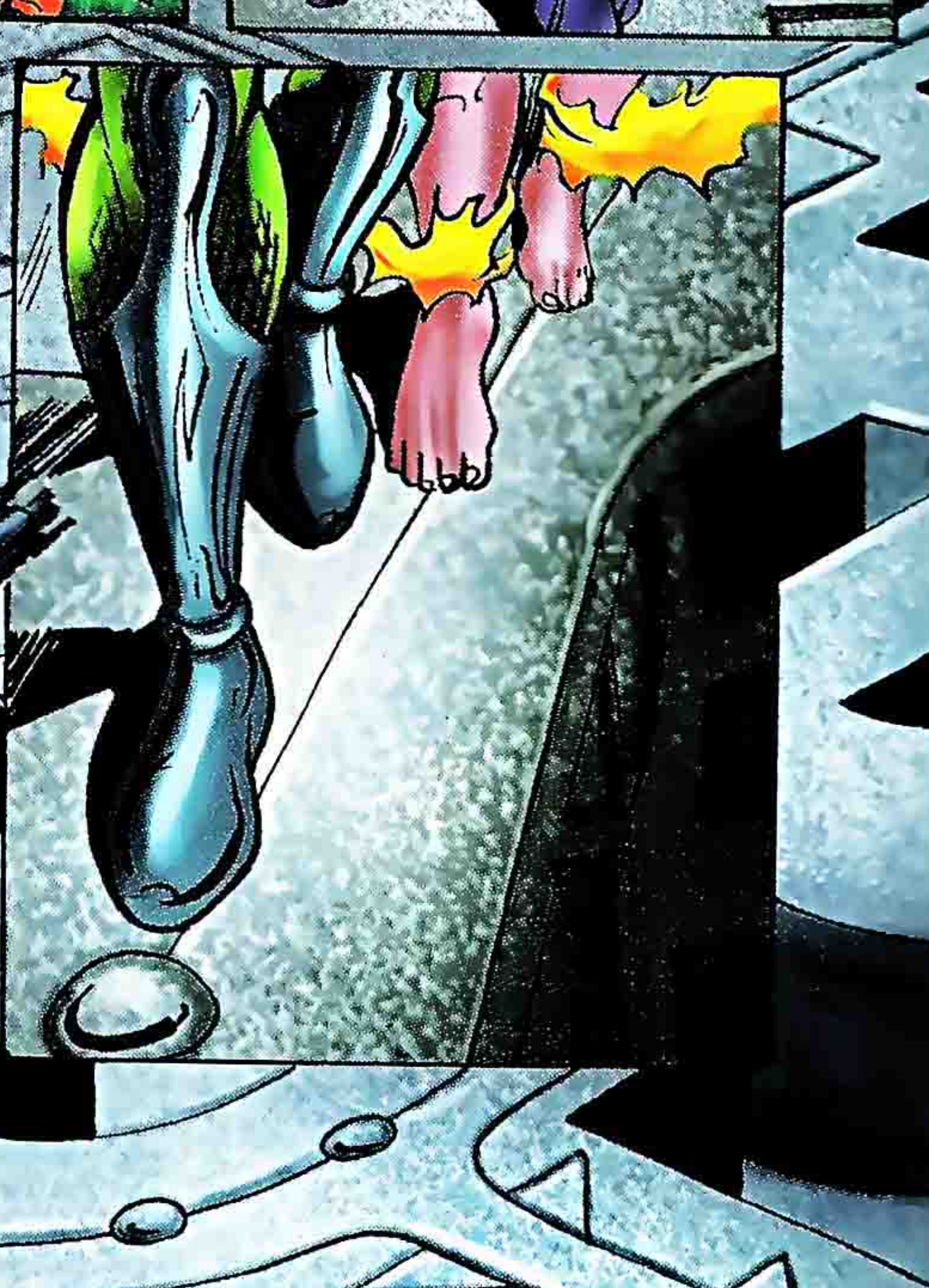
ये क्या कह रही हो, रानी यति!
तुम तो हमारे साथ थीं!
यति! और वह भी मानवों के साथ!
कभी नहीं!
मानव हमेशा से हमारे दुश्मन रहे हैं! हम हमेशा से उनके लिए एक अजूबा रहे हैं! चिड़िया-घर में रखने वाली एक चीज!
और फिर तुम तो नागों से भी संबंध रखते हो! और वे तो हमारे मानवों से भी बड़े शत्रु हैं!
यानी तुम्हारी दोस्ती सिर्फ एक धोखा था?
बिल्कुल! दुश्मन को दोस्त बनाकर मारने का मजा ही अलग है!
हम तो शुरू से ही ब्लैक पॉवर्स के साथ हैं! और हमने जो कुछ भी किया, उनके इशारे पर किया!
वे हमारे सच्चे दोस्त हैं! सिर्फ वे ही हमको समझते हैं!
होश में आओ रानी यति! ब्लैक पॉवर्स किसी की भी दोस्त नहीं हैं! मतलब पूरा होते ही वे तुमको भी नष्ट कर देंगे!
यतियों को नष्ट करना इतना आसान नहीं है!
वैसे तुम हमारी चिन्ता छोड़कर अपनी चिन्ता करो!
क्योंकि तुम सबका अंत एकदम नजदीक आ चुका है!
अंत तो तुम्हारा नजदीक आ चुका है धोखेबाज! क्योंकि अब हम...
तुम तो क्या, यहां पर किसी की भी शक्तियां काम नहीं करेंगी!
अरे! मेरी शक्तियां मुझे जवाब क्यों नहीं दे रही हैं?
क्योंकि जिस रास्ते से चलकर तुम लोग आए हो, वह रास्ता नहीं बल्कि चट्टानों पर लिखा 'यति मंत्र' है! और वह मंत्र उस पर से गुजरने वाली हर शक्ति को किलित कर देता है! ठप्प कर देता है!
हा हा हा!
अब सहस्र यतिद्रुम तुम लोगों को चीर डालेगा!
और बदले में हमको मिलेगी पृथ्वी के हर पहाड़ पर हुकूमत!
मेरी शक्तियां भी काम नहीं कर रही हैं! रानी यति सही कह रही है!
क्या यही है हमारा अंत?
यही मेरे पति जिंगालू की मौत का बदला होगा नागराज!
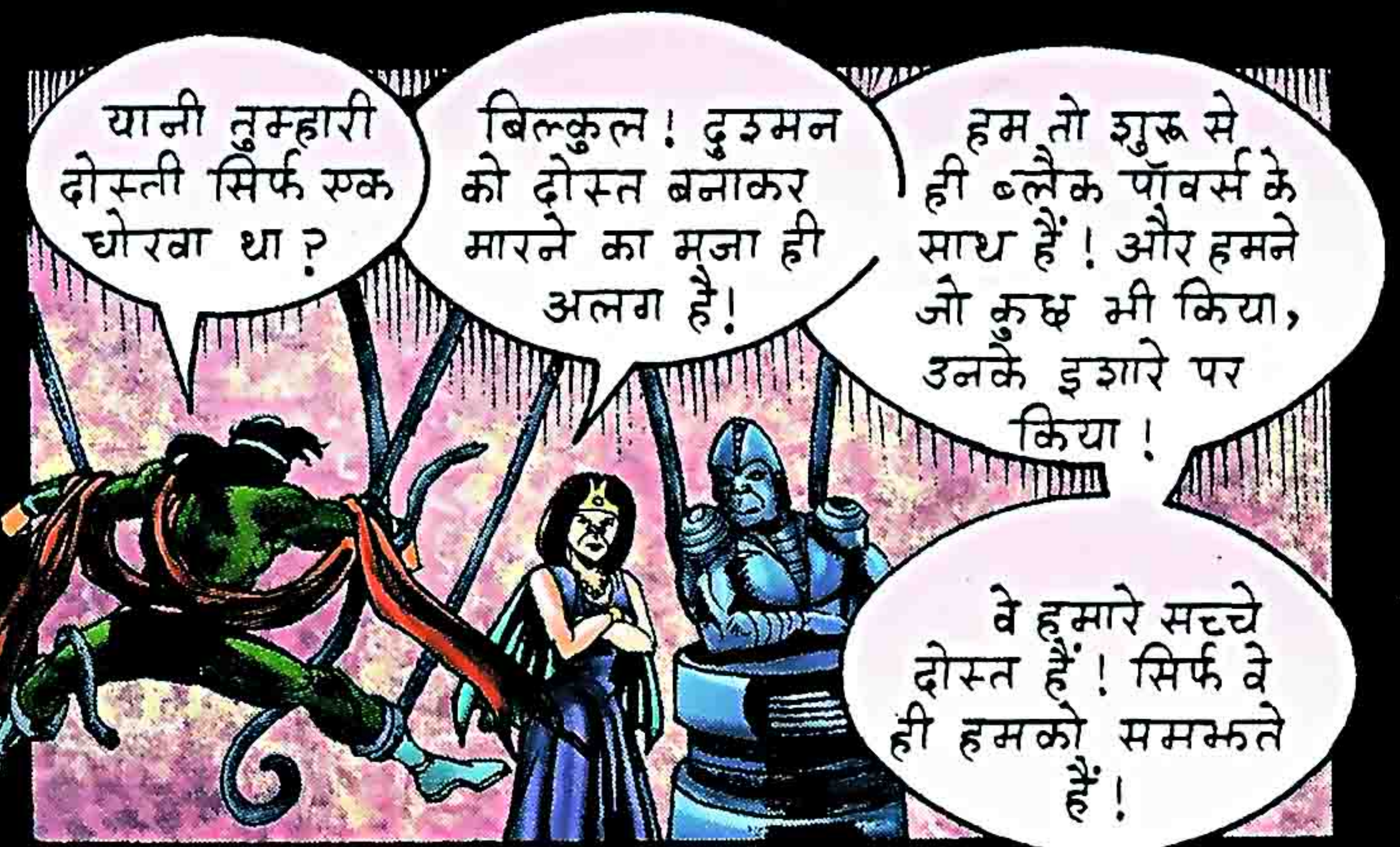
युद्ध का ऐलान होते ही यति सेना बगावत कर चुकी थी-
पर मानवों की सेना अभी भी अपने इरादों पर अडिग थी-
हमारे पास ऐसा कोई यंत्र नहीं है जो किसी दूसरे आयाम में जाने के द्वार का पता लगा सके, ध्रुव!
अगर वह द्वार हमारे सामने भी हो तो भी हम उसको ढूंढ नहीं पाएंगे!
वह भी सिर्फ इसलिए क्योंकि हम उस द्वार को न देख सकते हैं, न छू सकते हैं और न ही महसूस कर सकते हैं!
देख नहीं सकते? यस, तुमने सच कहा! हम द्वार को देख नहीं सकते!
हां! पर इसमें इतना खुश होने वाली क्या बात है?
क्योंकि मुझे आयाम का द्वार ढूंढने का रास्ता मिल गया है! हम उस द्वार को देख नहीं सकते...
... क्योंकि मानवों की देखने और सुनने की क्षमता सीमित होती है! हम सिर्फ एक खास फ्रीक्वेंसी तक की लाइट और साउंड वेव्स को ही देख-सुन सकते हैं! पर पशु-पक्षियों के साथ ऐसा नहीं है! वे उस फ्रीक्वेंसी से ऊपर की तरंगों को भी देख और सुन सकते हैं!
वे देख सकते हैं, सुन सकते हैं पर बोल तो नहीं सकते न! वे देख भी लेंगे तो हमको कैसे बताएंगे?
हमको नहीं, ध्रुव को बताएंगे! तुमको शायद पता नहीं है कि ध्रुव कई पशु-पक्षियों से बात कर सकता है!
रियली? आई... आई... एम सॉरी!
कोई बात नहीं! मैं कई पशु-पक्षियों को इस काम पर लगाता हूं!
कोई न कोई उस द्वार को देख भी लेगा और हमारा गाइड बनकर मार्गदर्शन भी करेगा!
सत्यानाश! ये तो बड़ी से बड़ी समस्या का हल ऐसे ढूंढ निकालता है जैसे वह समस्या कभी समस्या थी ही नहीं!
अब तो मजबूरी है! इनके काम में टांग अड़ानी ही पड़ेगी!
ये क्या है?
ऐसा दृश्य तो मैंने कभी नहीं देखा! एक बादल आकाश से उतरकर हमारी सेना को तबाह कर रहा है!

मुसीबतों और रुकावटों की जैसे काली बारिश हो रही थी-
छटपटाना व्यर्थ है नागराज! सहस्त्र यति तुम के सामने कोई भी दूसरी पराशक्ति ठहर नहीं सकती!
पराशक्ति नहीं ठहर सकती...
... लेकिन नागशक्ति जरूर ठहरेगी!
क्योंकि ये मेरी पराशक्ति नहीं, प्राकृतिक शक्ति है!
अब मुकाबला नागशक्ति और यति शक्ति के बीच में होगा!
और देखते हैं कि इस रस्सा कसी में कौन बाजी मारेगा!
यतिशक्ति और नागशक्ति एक-दूसरे पर काबू पाने का भरसक प्रयास कर रही थीं-
और नागशक्ति, यतिशक्ति पर भारी पड़ रही थी-
मैं तुम लोगों को कोई नुकसान पहुंचाना नहीं चाहता! बल्कि मैं तो तुम्हारा साथ चाहता हूं! ब्लैक पॉवर्स के खिलाफ इस जंग में मेरा साथ दो!
इस भ्रम में मत रहो कि इंसान तुमको नुकसान पहुंचाएंगे और ब्लैक पॉवर्स तुमको पृथ्वी की हाई लैंड्स का शासन सौंप देंगे!
तुम भी इस भ्रम में मत रहो नागराज कि हम नागों के सबसे बड़े हितैषी की बातों में आ जाएंगे!
तुम हमारे एक वार से बच गए हो! पर इसका मतलब ये नहीं है कि तुम यति शक्ति से बच गए हो!
खत्म कर दो नागशक्ति के इस सबसे बड़े स्तंभ को!
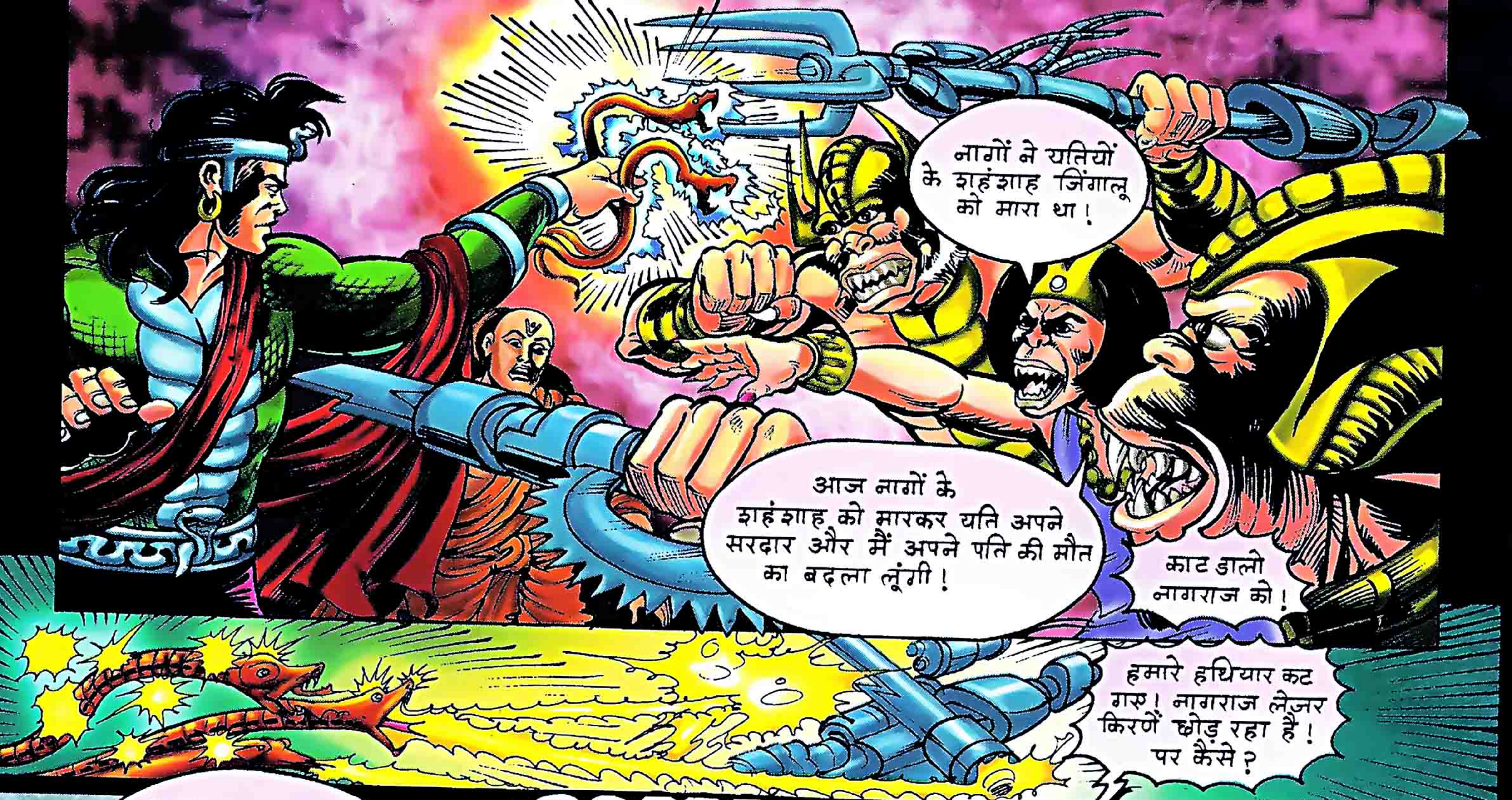
नागों ने यतियों के शहंशाह जिंगालू को मारा था!
आज नागों के शहंशाह को मारकर यति अपने सरदार और मैं अपने पति की मौत का बदला लूंगी!
काट डालो नागराज को!
हमारे हथियार कट गए! नागराज लेज़र किरणें छोड़ रहा है! पर कैसे?
ये मेरे जगमग सर्पों का काम है! ये प्रकाश को छोड़ने के साथ-साथ उसको संगठित करके लेज़र का रूप भी दे सकते हैं! पर मैं इस हथियार का इस्तेमाल यतियों की जान लेने में नहीं करूंगा!
क्योंकि नागराज कभी जान नहीं लेता!
और हम दुश्मन को कभी जिन्दा नहीं छोड़ते!
अब या तो हमको मारो या मरो नागराज!
हे विशेष नागफनी सर्प! आप न तो यति शक्ति के आधीन हैं, और न ही नागशक्ति के आधीन!
आपकी शक्ति हर जगह असरकारक है! अपनी शक्ति मुझे दीजिए, नागफनी सर्प!
नागराज की रगों में नागफनी शक्ति दौड़ने लगी-
और यतियों को इस बात का एहसास होने में देर नहीं लगी कि कुछ चीजें मौत से भी बदतर होती हैं!
आऊ! चोट का दर्द और उस पर ये जलन!
जैसे विष बुझे नागफनी शूलों का घातक असर —

एक तरफ पहाड़ों का सीना चीर सकने वाली यति शक्ति थी-
और उनकी तादाद थी बेशुमार-
और दूसरी तरफ पहाड़ों को रास्ते से हटा सकने वाली नागशक्ति थी-
और वह भी यतियों के सामने अकेली थी-
खून की नदियों का बहना अवश्यंभावी था-
इस नदी को अगर कुछ रोक सकता था तो सिर्फ वह आवाज-
रुक जाओ!
किसके आदेश से यति यह युद्ध लड़ रहे हैं!
ये आकार! ये चाल!
बदली है तो सिर्फ आवाज!
ये तो... ये तो...
मेरे अंगों को जीवनदायी चमत्कारी बूटियों ने विकसित तो कर दिया! पर उसमें समय बहुत लग गया! धीरे-धीरे मेरी स्मृति भी वापस आती गई! पर मेरी आवाज को विष ने हमेशा के लिए बदल गया!
...मेरे स्वामी हैं! नाथ जिंगालू! आप... आप जीवित हैं! पर कैसे? विषकुंड से आप कैसे बच गए?
विष ने मेरे अंगों को गला दिया था रानी यति! मेरा स्मृति-लोप भी हो गया था! पर मुझे इतना याद अवश्य था कि सुमेरू पर्वत पर जीवनदायी जड़ियों का भंडार है!
मेरे हाथ पैर गल चुके थे! सिर्फ धड़ बचा था! किसी तरह मैं घिसटता हुआ सुमेरू तक पहुंचा!
शुक्र है प्रभु का! आप बच गए! बस इससे ज्यादा मुझे और कुछ नहीं चाहिए!

अब संभालिए अपना राज और मुझे इस दायित्व से मुक्ति दीजिए!
ऐसा ही होगा रानी यति! परंतु यहां पर हो क्या रहा है? अगर मेरी स्मृति पूरी तरह से ठीक हो चुकी है तो ये मानव अवश्य ही नागराज है!
ओह! पर हम तो जीवित हैं! और हमको शीत नागों से कोई शिकायत नहीं है! फिर तो इस युद्ध का कोई आधार ही नहीं है!
परंतु हमको यह जानकर अत्यधिक निराशा हुई कि यतियों ने दुष्ट ब्लैक पॉवर्स का साथ देने का फैसला लिया!
ये यतियों से युद्ध क्यों कर रहा है? ये तो हमारे परममित्र ध्रुव का मित्र है! और इस नाते ये भी हमारा परममित्र हुआ! फिर ये युद्ध क्यों?
क्योंकि... क्योंकि...
रानी यति पूरा घटनाक्रम सुनाती चली गई-
हम शर्मिन्दा हैं नाथ! परंतु हमको लगा कि हमको मानवों से अधिक खतरा है!
ओफ़! और इस दौरान ब्लैक पॉवर्स ने नागकुमारी का हरण कर लिया, और इस कारण नाग कमजोर हो गए!
ऐसा नहीं होना चाहिए! नागशक्ति कमजोर पड़ेगी तो विनाशकारी ब्लैक पॉवर्स अपने आप ही अधिक शक्तिशाली हो जाएंगी!
और इसके लिए मुझे यतियों की और खास तौर पर तुम्हारी मदद चाहिए जिंगालू!
उनके इस जाल को तोड़ना ही होगा! नाग कुमारी विसर्पी को वापस लाना ही होगा!
और अगर हो सके तो युद्ध शुरू करने से पहले कुमारी... माफ करें श्रीमती विसर्पी को वहां से सुरक्षित निकाल लाना चाहिए!
ताकि क्रूरपाशा हम पर किसी तरह का भावनात्मक दबाव न बना सकें!
हर बुद्धिमान प्राणी समान तरीके से ही सोचता है!
तुम्हारा ये काम मैं करूंगा नागराज! स्वयं जिंगालू करेगा तुम्हारा काम!
जिंगालू मदद करेगा! नागों से जातिगत दुश्मनी भुलाकर मदद करेगा! पर पूर्ण युद्ध छेड़ने से पहले हमको ब्लैक पॉवर्स की ताकत का एकदम सही अंदाजा होना चाहिए!
कमाल है! ये तो मेरे वो विचार हैं जिनका मैंने किसी से जिक्र तक नहीं किया!
तुमने इस बात को कैसे समझ लिया?
और ध्रुव की मित्रता की सौगंध, काम पूरा करके ही वापस आऊंगा!
पर... पर नाथ अलंध्या में आप नहीं जा सकते! आपके अंदर वह शक्ति नहीं है जो नागों में है!

और वह इच्छाधारी शक्ति अलंध्या का द्वार देखने और वहां तक का आयाम मार्ग पार करने के लिए अत्यन्त आवश्यक है!
जिंगालू अब पुराना वाला जिंगालू नहीं रहा है रानी यति! पहले विष और फिर चमत्कारी जड़ी-बूटियों ने हमारे अंदर कई ऐसी अद्भुत शक्तियां पैदा कर दी हैं, जिनके बारे में हम भी पूरी तरह से नहीं जानते!
अगर हमारे और नागराज के विचार समान हैं तो फैसला हो चुका है! हम अलंध्या जाएंगे!
पर अलंध्या खतरनाक स्थान है! अगर आप वहां गए तो... अरे! अभी-अभी तो आप वर्षों बाद आए हैं!
हम फिर से वापस आएंगे रानी यति! और इस बार सकुशल आएंगे!
ये तुमसे हमारा वादा है!
हमारा इंतजार करना नागराज! हम जल्दी वापस आएंगे!
अब हम ध्यान लगाएंगे! द्वार ढूंढेंगे अलंध्या का और फिर उसमें प्रवेश करने का प्रयत्न करेंगे!
अद्भुत शक्ति है जिंगालू तुममें!
मेरा विश्वास है कि तुम अपने प्रयास में जरूर सफल होगे!
मुझे द्वार नजर आ रहा है!
मैं चला!...
...अलंध्या!
यह काम तो मैं भी नहीं कर सकता जबकि मैं नागशक्ति धारक मानव हूं!
आश्चर्य है! यति होकर भी जिंगालू ने अलंध्या का द्वार ढूंढ लिया!
जिंगालू, अलंध्या की राह पर रवाना हो चुका था–

और अब दूसरे रास्ते की तलाश भी शुरू की जा चुकी थी-
हा हा हा! अब न रहेगी सेना और न बचेगा तुममें अलंध्या जाने का दम!
घनघोर तुम सबकी उम्मीदों पर पानी फेरने और बिजलियां गिराने आ गया है!
और इसका असली मकसद जानने के लिए हमको इस पर काबू पाना होगा!
वाऊ! ऐसा वेपन तो मैंने कभी नहीं देखा! कहां छुपाकर रखते हो यार?
ये व्यवास्त्र है! ये हरिकेन विंड्स छोड़ता है, जो घनघोर के शरीर को तोड़कर रख देंगी!
और इसको वैसा ही दर्द होगा जैसा हमको हमारे हाथ-पैर टूटने पर होता है!
एक और ब्लैक पॉवर का अटैक! हम पर कड़ी नजर रखी जा रही है!
मुझे कुछ और ही लग रहा है! इसका मकसद वह नहीं है जो हम समझ रहे हैं!
ग्रेट बॉस! तुम्हारा वेपन काम कर रहा है!
घनघोर खत्म हो गया!
योर विंड वेपन इज अ किलिंग मशीन!
हवा बादलों को अगर तोड़ती है...
... तो जोड़ती भी है!
यानी घनघोर और शक्तिशाली हो रहा है!
ओ गॉड! हरीकेन विंडस ने तो प्रेशर एरिया बना दिया है! अब तो और ज्यादा बादल इकट्ठे हो रहे हैं!

बिल्कुल सही!
घनघोर अब और ताकतवर हो गया है!
ओ गॉड! अब तो ये टॉरनैडो पैदा कर रहा है! अरे! मेरा... मेरा दुपट्टा!
यही दुपट्टा तुम्हारा आयुध भंडार है न? अब क्या करोगे?
कैसे मारोगे मुझे? आश्चर्य हो रहा है न कि मैं ये बात कैसे जानता हूं!
नहीं! खुशी हो रही है! क्योंकि ये जानकर मेरा शक यकीन में बदल गया है!
अब तुम्हारे पास समय ही समय है ध्रुव! जब तक चाहो मुझे हराने के तरीके सोचते रहो!
पर मेरे पास समय नहीं है!
मनपसंद काम जल्दी से जल्दी करना है!
विनाशकारी काम!
ये हमको सही तस्वीर दिखा रहा है ध्रुव! जब हम एक से नहीं निपट पा रहे हैं तो ब्लैक पॉवर्स की भयंकर सेना से कैसे निपटेंगे?
मैं कुछ समझा नहीं!
ये यही जानना चाहता है कमांडर!
और हमको यही इसको बताना है!
समझ जाएंगे! फिलहाल मुझे इसे हराने का कोई तरीका सोचना है!
मानव सेना बिखर रही थी! एक चुनौती समाप्त होने के कगार पर थी-
वाह!
तो दूसरी चुनौती एक निश्चित आकार ले रही थी-

नागायण
सप्तम अध्याय
अलंध्या
अद्भुत!
तो ये है अलंध्या जहां पर मुझे विसर्पी की तलाश करनी है, और ब्लैक पॉवर्स के कंट्रोल सिस्टमों को नष्ट करना है!
पर एक बात तो स्पष्ट है, इसके अंदर घुसना मौत को दावत देना है!
ऐसा है तो आ जाना भई मौत! खा लेना मेरी दावत! क्योंकि मुझे तो अंदर जाना ही जाना है!
पर मुझे ढूंढने में आपको थोड़ी सी दिक्कत होगी!
क्योंकि मैं छोटा रूप धारण कर रहा हूं! दरअसल विसर्पी की तलाश पूरी होने तक मैं नहीं चाहता कि मुझे कोई देख सके!
अब मुझे अलंध्या की सीमा के अंदर घुसने का सुरक्षित रास्ता ढूंढना है!
यहां पर सुरक्षा के अंजाने इंतजाम होंगे!
पर आप लोगों ने हर जगह की तरह यहां भी घुसने का रास्ता ढूंढ रखा है!
इसीलिए फिलहाल आप ही मेरी गाईड हैं!
अब सवाल ये है कि ब्लैक पॉवर्स से भरी इस विशाल दुनिया में विसर्पी को कैसे ढूंढा जाए!
आऊ! देख के!
वर्ना मैं तो देखूंगा नहीं...
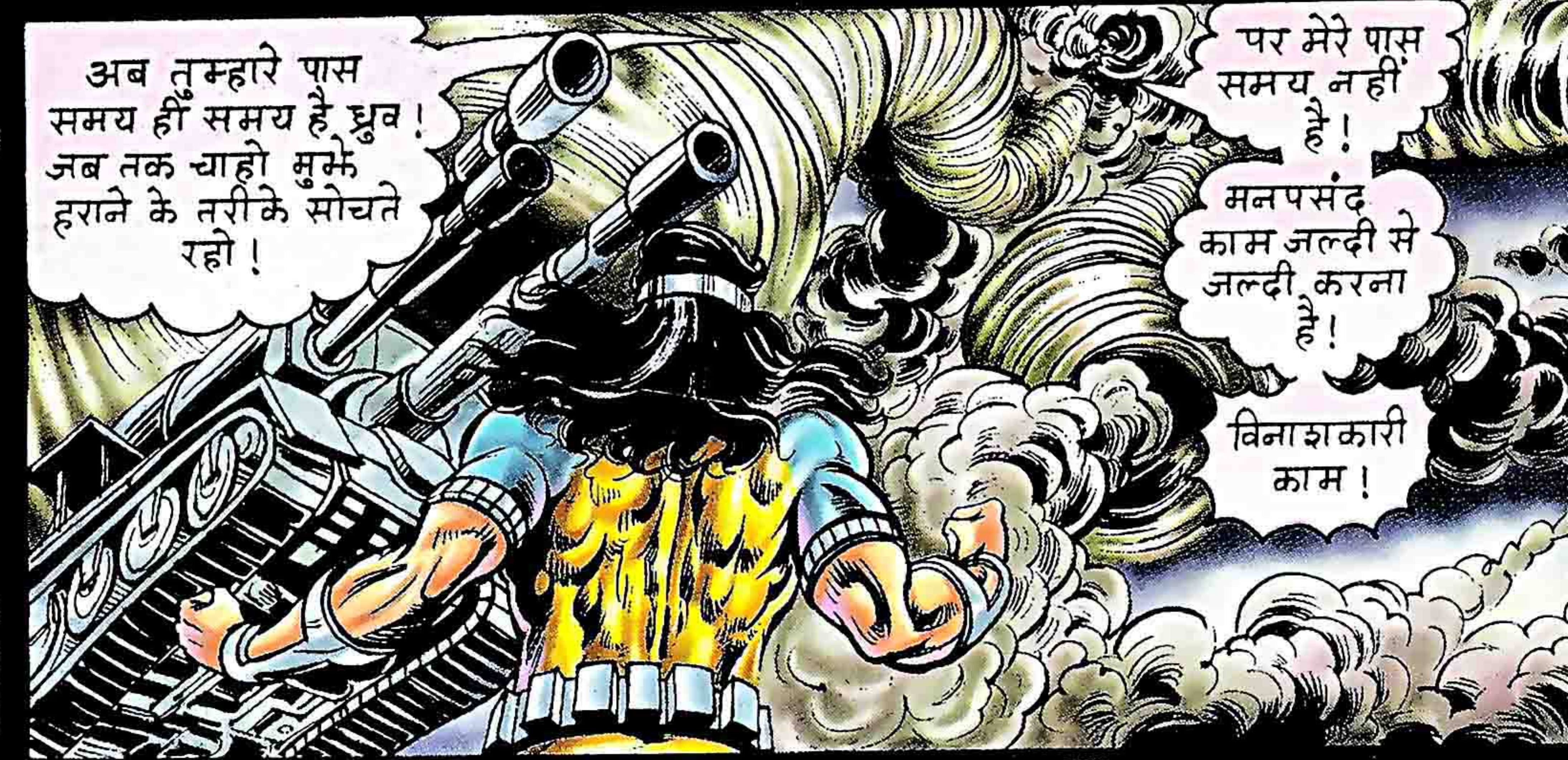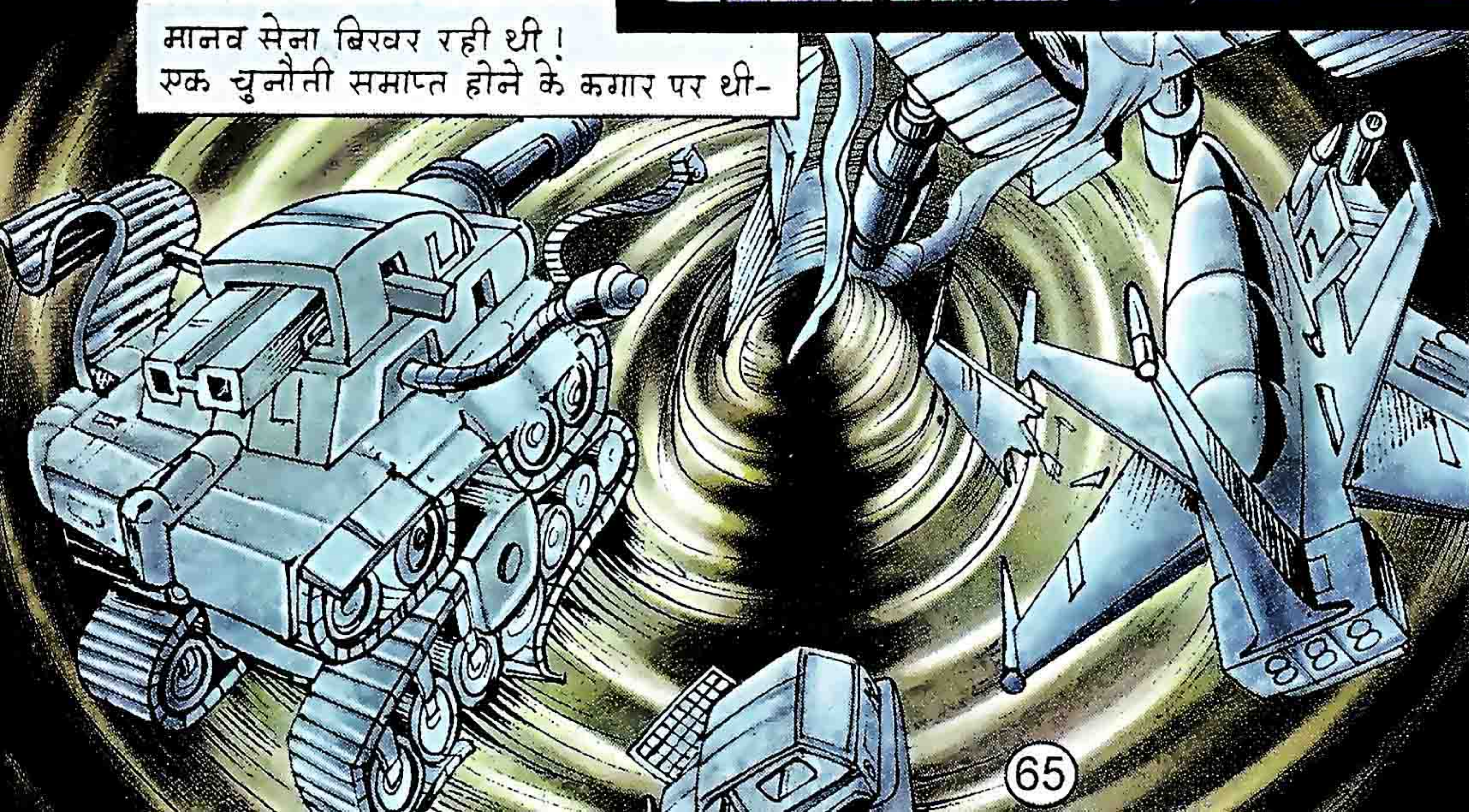
पर तेरे जूते को छेदता हुआ तेरे पैरों में गड़ जरूर जाऊंगा!
आऊऽऽऽ
ओफ्! इंसानों को भी गिरने के लिए कम से कम एक केले के छिलके की जरूरत पड़ती है!
लेकिन तुम तो चलते-चलते ही...
था, नहीं, हैं! चींटियां!
...जरूर इन्होंने ही तुमको उठाकर पटक दिया है!
अरे नहीं, नगीना! किसी ने मुझे गिराया है! मेरे पैर के नीचे कुछ था!
अब अपनी कमजोरी मुझसे मत छुपाओ! क्रूरपाशा के सामने जाने के ख्याल से ही तुम्हारे पैर थरथरा रहे हैं!
अरे नहीं! अ... अब मुझमें मानवों की भक्ति की शक्ति है!
रोबो ने मेरे नाम पर जो तबाही फैलाई है उससे बचने के लिए सभी मेरी भक्ति कर रहे हैं!
पर ये भक्ति ज्यादा देर नहीं चलेगी! क्योंकि मुझे सूचना मिली है कि देव धनंजय के नेतृत्व में कुछ अद्भुत शक्ति वाले किशोर रोबो के आदमियों से लोहा ले रहे हैं!
हालांकि कुछ मेरे वफादार इच्छाधारी सर्प भी रोबो के आदमियों की मदद कर रहे हैं, पर फिर भी यह कहना मुश्किल है कि हम जीतेंगे या वे!
इसीलिए यह लड़ाई खत्म होने से पहले ही तुमको अलंध्या में अपना हिस्सा मांग लेना है! वह हिस्सा जहां पर मैं और तुम दुनिया पर राज करेंगे!
पर... पर क्रूरपाशा ने मुझे हिस्सा नहीं दिया तो...
अरे देगा कैसे नहीं!
अरे वाह! अब ये मुझे क्रूरपाशा तक ले जाएंगे और वहां पर विसर्पी भी जरूर होगी!
परिस्थितियां तेजी से बदल रही थीं-
विषांक! मुझे तुमसे कुछ जरूरी बात करनी है! अकेले में!
अकेले में क्यों? जो कहना है वह पिताश्री के सामने कहो!
ये तुम्हारा पिताश्री नहीं है! तुम्हारे शरीर में फैली एक बीमारी है!

और तुम नागशक्ति और नागराज की जान को इस बीमारी के हवाले करना चाहते हो!
होश में आओ, विषांक! होश में आओ!
तुम होश में आओ विसर्पी! और समझो कि नागजाति पर जितना मेरा अधिकार है उतना ही मेरे पिताश्री क्रूरपाशा का भी है!
बेकार में गला क्यों दुखा रही हो विसर्पी! अब ये तुम्हारी कोई बात नहीं मानेगा!
ये नहीं मानेगा...
... पर मैं मानूंगी! अगर तुम मेरे भाई को अपने शिकंजे से आजाद कर दोगे तो...
तो?
... तो मैं तुमसे शादी करने को तैयार हूं!
अभी! और इसी वक्त!
सच! ऑफर अच्छा है...
पर मुझे अब तेरी जरूरत नहीं है मूर्ख नागिन! अरे मैं तुझसे शादी इसीलिए करना चाहता था, क्योंकि नागशक्ति, ब्लैक पॉवर्स को टक्कर दे सकती है! अब तो नागशक्ति वैसे ही मेरे पक्ष में आ गई है! अब मुझे तेरी कोई जरूरत नहीं है!
हे, क्रूरपाशा है!
एक बार मैं तुम्हारी हो गई तो नागराज के यहां पर आने का मकसद भी खत्म हो जाएगा! फिर तुमको या अलंध्या को नागराज से कोई खतरा नहीं रहेगा!
एक और मूर्खता! अरे नागराज मेरे लिए खतरा नहीं, बल्कि एक शिकार है! जिसको मैं यहां पर बुलाकर तड़पा-तड़पाकर मारना चाहता हूं!
वह मूर्ख यतियों की सेना के बल पर मुझसे टक्कर लेने के लिए अलंध्या का रास्ता ढूंढ रहा है! परन्तु वह मूर्ख यह नहीं जानता कि वे यति, मेरे प्रति वफादार हैं!
मौका मिलते ही वे नागराज को अधमरी लाश बनाकर मेरे सुपुर्द कर देंगे!
अब तेरा जिन्दा रहना मेरे लिए खतरा हो सकता है! तू जिन्दा रही तो नागों को मेरे खिलाफ भड़काती रहेगी!
इसीलिए तुझे कुचलकर मैं इस खतरे को हमेशा के लिए मिटा देता हूं!
यहीं और...
... अभी! किसने जुर्रत की ये वार करने की?

म... मैंने! म... मेरा नाम भी.रूपाशा है और...
अरे, मैं जानता हूं तेरा नाम! पर तूने मुझ पर वार क्यों किया? क्या तू विसर्पी को बचाना चाहता है? क्या चाहता है तू?
पहले तो मुझसे 'तू तू' कहकर बात करना बंद करो! आखिर मैं भी सम्राट बनने वाला हूं!
सम्राट? हा हा हा! कहां का सम्राट?
आधी अलंध्या का सम्राट! मुझे... मुझे मेरा हिस्सा चाहिए! आधी अलंध्या का राज!
हिस्सा चाहिए तुझे! जरूर तुझे नगीना ने भड़काया है!
इसकी चाल में मत आ, भीरूपाशा! ये नागिन है! इसका काम ही जहर फैलाना है!
मुझे... मुझे किसी ने नहीं भड़काया है!
मैं नहीं चाहता कि तुम अपनी जिद के कारण मेरे हिस्से का भी विनाश कर दो!
इसीलिए विसर्पी को मेरे हवाले कर दो! मैं इसे नागराज को वापस करके उससे संधि कर लूंगा! और फिर ब्लैक पॉवर्स और श्वेत शक्तियां साथ मिलकर रहेंगी!
ये दोनों शक्तियां कभी नहीं मिल सकतीं!
भूल जा!
पानी कितना भी गरम हो, पर आग को बुझा ही देता है भीरू!
यानी... तू मुझे आधी अलंध्या नहीं देगा!
अलंध्या तो तू ऐसे मांग रहा है जैसे कोई खिलौना मांग रहा हो!
तू विसर्पी, नागराज को देकर उससे संधि करना चाहता है न?
हां!
तो फिर मैं इस झगड़े की जड़ को ही खत्म कर देता हूं! वैसे भी मैं यही करने आ रहा था!
नगीना!
ये... ये तुमने क्या किया?

आऽऽऽ ह!
ये... ये वार मुझे मार तो नहीं पाएगा पर ब्लैक पॉवर में... जरूर बदल देगा!
और... और... ह... ऐसा होने से पहले... मैं... मर जाना पसंद करूंगी।
पर क्यों नगीना, क्यों? मेरी दुश्मन होने के बावजूद भी तुमने मुझे एक निश्चित मौत से क्यों बचाया?
मैं तुम्हारी दुश्मन कभी नहीं रही! मैंने कभी भी तुमसे सीधा मुकाबला नहीं किया!
पर मेरी मंजिल नागद्वीप का सिंहासन था और तुम उसकी शासक थी! इसीलिए टकराव होना तो निश्चित था!
पर तुमने मुझे क्यों बचाया? क्यों?
यही सवाल मैं भी इससे न जाने कब से पूछ रहा हूं!
क्या लगती है विसर्पी तुम्हारी?
बेटी!
हां! विसर्पी मेरी बेटी है!
मां हूं मैं इसकी!
हर मां को अपनी बेटी का वर चुनने का हक है!
इसीलिए मैं नहीं चाहती थी कि विसर्पी नागराज से शादी करे!
और अच्छाई की बुरी संगत में पड़कर मुझसे दूर चली जाए!
तुम... आप... मेरी मां हैं! पर... पर ये कैसे हो सकता है!
मेरी मां तो विषप्रिया थीं! जो एक दुर्घटना में लापता हो गई थीं!
मैं ही थी विषप्रिया! जब कालदूत ने मेरे साथ अन्याय करके मुझे नागद्वीप से निकाल दिया था, और मणिराज को राजा बनाया था! तब मैं विषप्रिया का रूप धरकर वापस आई थी! यह सच है कि... मैंने राज्य के लालच में मणिराज से विवाह किया! परन्तु बाद में मैं सचमुच सुधरना चाहती थी! पर विषप्रिय के जन्म के ठीक बाद मेरा भेद खुल गया और मुझे एक बार फिर निकाल दिया गया!
इस शाप के साथ कि अगर मैंने अपना ये राज कभी भी तुम पर या विषप्रिय पर खोला तो मेरी मौत ही आएगी!
अब तो मौत वैसे भी आ ही चुकी है!

तू मर रही है नगीना ? समझ में नहीं आ रहा है कि इस खबर पर मैं हंसूं या रोऊं!
रो, क्रूरपाशा रो! क्योंकि मैं 'मर' नहीं रही हूं! ब्लैक पॉवर बलने से बचने के लिए मैं अपने आपको तंत्र में बदल रही हूं! फिलहाल इस दुनिया में मेरा कोई वजूद नहीं रहेगा!
लेकिन इस दुनिया से जाती हुई एक मां तुझको शाप देकर जा रही है कि अगर तूने विसर्पी का एक बाल भी उखाड़ने की कोशिश की...
... तो तेरे सिर के हजार टुकड़े हो जाएंगे! और तेरे शरीर का अमृत भी उनको जोड़ नहीं पाएगा!
ये एक मरती हुई मां का शाप है, क्रूरपाशा!
जो कभी खाली नहीं जाएगा! इसे आजमाना मत!
अब क्या कहता है क्रूरपाशा?
क्या अब भी तुझमें इस 'झगड़े की जड़' को दूर करने की हिम्मत है?
है!
है! लेकिन वह जड़ अब तू है!
विसर्पी को मारूंगा तो शायद मेरा सिर फट जाएगा! इसीलिए बेहतर यही है कि अपना सिर फोड़ने के बजाय मैं तेरा सिर फोड़ दूं!
ये इतना आसान नहीं है, क्रूरपाशा!
क्योंकि भीरूपाशा के पास भी अब भक्ति की शक्ति है!
ओफ्फ
यही मौका है विसर्पी को यहां से सुरक्षित निकालने का!

दो महाब्लैक पॉवर आपस में टकरा रही थीं-
और इस महाटकराव के असर से बचने के लिए हर कोई दूर भाग रहा था-
बिसर्पी भाभी!
भाभी? यहां पर मेरा कौन सा देवर आ गया?
मैं, भाभी! जिंगालू! यति!
ईssssssss
डरो मत भाभी! मुझे नागराज ने भेजा है!
आपको ले जाने के लिए!
तू मुझे बेवकूफ समझता है क्या? यति के बच्चे?
मुझे अभी-अभी पता चल चुका है कि यति जाति ब्लैक पॉवर्स से मिली हुई है!
जरूर क्रूरपाशा ने तुझे मुझे बरगलाने के लिए पहले से ही तैयार करवाया होगा! पर मैं तेरे बहकावे में नहीं आने वाली हूं!
आप गलत समझ रही हैं! वह पुराना सीन था! नए सीन में यति नागराज के साथ हैं!
ऐसा है तो जा और नागराज को भेज!
क्योंकि मैंने शपथ ली हुई है कि अब नागराज ही मुझे अलंध्या से लेकर जाएगा। अरे!
अरे, आप सिचुएशन समझ नहीं रही हैं! जबरदस्ती की जिद कर रही हैं! ले कोई भी जाए, जाना तो आपको नागराज के पास ही है न!
अब मैं आपकी कोई जिद नहीं मानूंगा! पहले आपको किसी सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दूं फिर...
हुम...
अरे! सिचुएशन तो पलट गई! ये तो आपने नया सीन लिख डाला!
अब जाओ!

और नागराज को लेकर आओ!
पर पहले अपने मालिक क्रूरपाशा से इसकी इजाजत तो ले लो!
हाय!
ये बंदर कहां से आया?
यति! यति!
ये तो यति है!
जरूर ये मुझसे मिलने आया होगा। पर ये अलंध्या के अंदर आया कैसे? खैर, जैसे भी आया हो, अगर भीरूपाशा को जरा सा भी शक हुआ कि ये मेरा आदमी... मतलब यति है तो वो इसे तुरन्त मार डालेगा!
पकड़ लो इस बंदर को और इसको बंदी बनाकर हमारे सामने पेश करो!
मुझे ही कुछ करना होगा ताकि मैं इस यति के आने का मकसद जान सकूं!
मुझे पता था कि क्रूरपाशा को यतियों के दल-बदल की खबर मिल गई होगी! इसीलिए मैं छोटे रूप में छिपकर आया था!
पर मुझे क्या पता था कि विसर्पी पूरा सीन बिगाड़ देगी!
फिलहाल तो भागना ही पड़ेगा, क्योंकि बंदी बनकर तो मैं अलंध्या के बारे में गुप्त सूचनाएं इकट्ठी कर नहीं सकता!
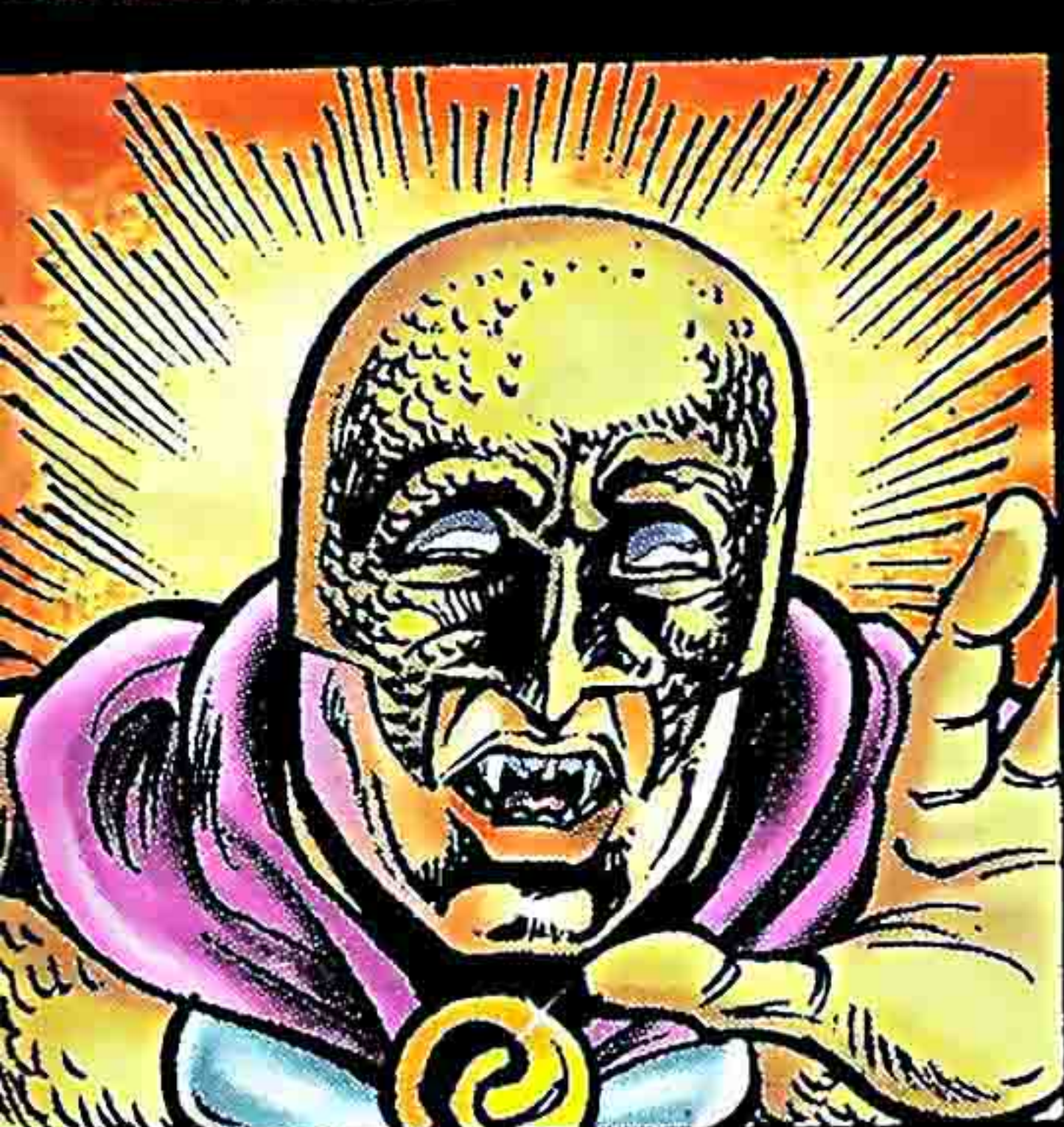
अलंध्या का खूंखार सुरक्षा तंत्र जिंगालू के पीछे लग गया था-
अरे, खुद ही अलंध्या तोड़ दोगे क्या?
कुछ मुझे भी तो करने दो!
जिंगालू की जान खतरे में थी-
और इस बात का एहसास जिंगालू के अलावा-
किसी और को भी था।
रानी यति क्या कर रही हैं, महामात्य?
मृत्युंजयम साधना! कोई महासती ही इस साधना को कर सकती हैं!
वैसे तो रानी यति इस साधना को इसलिए कर रही हैं ताकि महाराज जिंगालू अलंध्या के खतरों से बचे रहें...
... लेकिन कहते हैं कि ये साधना तो किसी सती के मरे हुए पति के शरीर में भी प्राणों का संचार कर सकती हैं।
फिर चाहे उसके पति का नामोनिशान तक मिट चुका हो-
रानी यति की साधना की शक्ति चारों तरफ फैल रही थी! अलंध्या के दूसरे आयाम से लेकर-

हिमालय की गुप्त घाटियों पर स्थित शीतनागों के पुराने आवास के पास मौजूद हलाहल के विषकुंड तक-
और ये शक्ति उस हलाहल विषकुंड के अंदर एक हलचल पैदा कर रही थी-
एक ऐसी हलचल जो इस महायुद्ध का रुख पलटने की शक्ति रखती थी-
आऽऽऽह! ये... ये मैं कहां हूं? ओह! मैं तो हलाहल कुंड में हूं! जहां पर मुझे जानबूझकर गिराया गया था!...
... पर ... पर मैं तो हलाहल में गल गया था। फिर मैं जीवित कैसे हुआ?
ये जैसे भी हुआ हो, पर अब शीतनागों को उनकी धूर्तता का जवाब देने का समय आ गया है!
गाथा जारी है रण काण्ड में

प्यारे नागराज व ध्रुव प्रेमियों,

दहन काण्ड! नागायण के पांचवें खण्ड के साथ उपस्थित हूं। महासंग्राम शुरु हो चुका है। रोबो ने मानव सेना की बागडोर संभाल ली है। क्रूरपाशा ने विषांक पर कब्जा करके नाग शक्तियों को अपना गुलाम बना लिया है। साथ ही उसके आदेश पर नागराज के शरीर से निकल गए हैं सौडांगी व शीतनाग जैसे धुरंधर इच्छाधारी नाग। भीरुपाशा ने क्रूरपाशा को ललकारा भी तो उसकी मार्गदर्शिका नगीना ही क्रूरपाशा के हाथों शहीद हो गई। अब क्रूरपाशा सर्वशक्तिमान है और मानवों को उससे बचाने की आखिरी उम्मीद हैं केवल नागराज और सुपर कमाण्डो ध्रुव जो कि खुद कमजोर पड़ते जा रहे हैं। क्या दोनों सुपर हीरो इस बार घुटने टेक देंगे या एक बार फिर विजयी होंगे? इस सवाल के जवाब के लिए आपको **रण काण्ड** और **समर काण्ड** का इंतजार करना होगा। लेकिन इस बार यह इंतजार ज्यादा लम्बा नहीं होने दिया जाएगा। दोनों कॉमिक्स जुलाई तक अवश्य ही प्रकाशित कर दी जाएंगी।

दहन काण्ड में खुले कई रहस्य। आपका चहेता वनपुत्र वापस आ गया। जलज और ऋषि का रहस्य खुला कि कौन किसका पुत्र है। पर पिता एक ही है, सुपर कमाण्डो ध्रुव। अब यह चार बहादुर सैनिक टकराएंगे खूंखार ममी से। यूं तो नगीना तंत्र में बदल गई है किंतु उसके जैसी शातिर क्या ज्यादा समय तक इस महासंग्राम से दूर रह सकेगी? अब अगर वह आई तो क्या विसर्पी की मां होने का अपना रोल निभाएगी या अभी भी करेगी कोई उत्पात? क्या क्रूरपाशा पर उसके शाप का कोई असर होगा और इस बार का मुख्य प्रश्न है यतिराज जिंगालू। दो जिंगालू। दोनों में से कौन है असली कौन है नकली? इन सभी रहस्यों से पर्दा उठेगा इस महागाथा के छठे खण्ड **रण काण्ड** में।

नागराज की आगामी कॉमिक होगी आतंकहर्ता नागराज की **वर्ल्ड टेररिज्म सीरीज** की **मिशन क्रिटिकल**। **ऑप्रिशन सर्जरी** में नागराज जा पहुंचा था इंग्लैंड, जहां एशिया मूल के डॉक्टर्स पर लगा है आतंकवादी होने का ठप्पा और नागराज को इस कलंक को मिटाना है। आतंकहर्ता नागराज की **मिशन क्रिटिकल** मई माह में प्रकाशित हो रही है। इस बार मुझे ग्रीन पेज के लिए केवल एक पृष्ठ ही मिल सका है इसीलिए कॉमिक के बारे में अधिक नहीं लिख पाऊंगा। **राज कॉमिक्स** ने **जनवरी 2008** में एक **इवेंट** आयोजित किया था जिसकी अपार सफलता को देखते हुए **राज कॉमिक्स; मई 2008** में अपने फैन्स के लिए आयोजित कर रहा है-

जनून मेला-**सभी राज कॉमिक्स फैन्स** इस जनून मेले में आमंत्रित हैं। यह मेला दो दिन के लिए होगा। 14 जून, 2008 से 15 जून, 2008 तक। इस मेले में फैन्स अपने चहेते राइटर्स व आर्टिस्ट से मिलकर विचारों का आदान-प्रदान कर सकेंगे।

नियम :- सभी इच्छुक प्रशंसकों को अपने माता-पिता अथवा संरक्षक के द्वारा हस्ताक्षर किया ***नो ओब्जेक्शन सर्टिफिकेट*** भेजना आवश्यक है। राज कॉमिक्स अपनी तरफ से बेहतरीन आयोजन की व्यवस्था करेगी। लेकिन किसी भी तरह की अनहोनी की जिम्मेदारी राज कॉमिक्स वहन नहीं करेगी।

1. जनून मेले में प्रवेश पाने के लिए प्रशंसकों को रेजिस्ट्रेशन कराना आवश्यक है। रेजिस्ट्रेशन कराने के लिए प्रशंसक अपना नाम, पता, फोन नम्बर्स, ई-मेल एडरेस, उम्र, ऑक्यूपेशन; फोन द्वारा, पत्र द्वारा, या फिर ई-मेल द्वारा भेजें।
2. सभी प्रतिभागियों को रेजिस्ट्रेशन की सूचना व निमंत्रण पत्र डाक द्वारा भेजा जाएगा। जनून मेले में प्रवेश पाने के लिए निमंत्रण पत्र साथ लाना आवश्यक होगा। एक निमंत्रण पत्र पर केवल एक प्रतिभागी को ही प्रवेश मिलेगा।
3. राज कॉमिक्स की तरफ से प्रशंसकों के लिए सुबह के नाश्ते, दोपहर के भोजन व रात्रि के भोजन की व्यवस्था की जाएगी।
4. राज कॉमिक्स की तरफ से दिल्ली से बाहर से आए प्रशंसकों के लिए 14 जून की रात्रि विश्राम की व्यवस्था की जाएगी।
5. निमंत्रण पत्र के बिना प्रशंसकों को जनून मेले में प्रवेश के लिए 500/- प्रतिदिन के हिसाब से प्रवेश शुल्क देना होगा।
6. सभी प्रशंसकों को दिल्ली आने-जाने का किराया स्वयं वहन करना होगा।
7. दिल्ली से बाहर से आए प्रशंसकों को जनून मेले में प्रवेश के पश्चात् सुरक्षा कारणों से बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

किसी भी प्रकार की जानकारी व रेजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें-**राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84**

फोन नं. : 011-27612037, 011-27611038, 011-27611410 **ई-मेल- : gsanjay@rajcomics.com**

अपने पत्र हमें आप इस पते पर भेजें : **ग्रीन पेज नं. 273, राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84**

Forum पर अपनी पोस्ट आप **www.rajcomics.com** पर करें।

धन्यवाद

आपका-संजय गुप्ता

GREEN PAGE NO. 273

प्रेम एक तपस्या है यह तपस्या करने का अधिकार उसे है जो अपने सिर ले सके ...
प्रेम बला
PART 1
अमर प्रेम
LALIT SINGH

A UNIQUE GIFT TO RAJ COMICS' FANS

YOUR FAVORITE SUPERHEROES ON 13 COLOR PAGES OF A WONDERFUL CALENDAR.

APRIL 2008–MARCH 2009
PRICE– **Rs. 60** Only

YOU CAN GET THIS CALENDAR FROM THE NEAREST BOOK STALL OR THROUGH A POSTAL MONEY ORDER OF **Rs. 100** (Rs. 60 + 40 AS COURIER CHARGES) ONLY TO

RAJA POCKET BOOKS, 330/1, BURARI, DELHI–110084.

YOU CAN ALSO ORDER THIS CALENDAR BY LOGGING ON OUR **WEBSITE** :- **www.rajcomics.com.**

SO DON'T WAIT, ORDER NOW

कौन है डोगा की सजा का हकदार बेवफा या...
वफादार
BORN IN BLOOD
Part 2

राज कॉमिक्स में सुपर कमाण्डो ध्रुव का एक ऐसा विशेषांक जिसमें रोमांच से बचकर कोई भाग नहीं सकता!

आतंकहर्ता नागराज
World Terrorism
मिशन क्रिटिकल
Part 2
ADVENTURE IN ENGLAND

रण काण्ड
षष्ठम खण्ड
सज चुकी है बिसात, चली जा चुकी हैं चालें और छा चुका है महाविनाश का अंतहीन अंधेरा!